बागेश्वर धाम एवं मेहंदीपुर बालाजी के चरणों में समर्पित

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

संस्कार उजाला

संस्कार उजाला
www.sanskarujala.com
SANSKAR UJALA
सच की हुंकार

sanskarujala@gmail.com

संस्थापक स्व० सुखराम शर्मा एवम शिवकुमार शर्मा, श्री प्रकाशवीर

सच की हुंकार

संस्थापक
स्व. श्री आर. के. शर्मा

गाजियाबाद से प्रकाशित, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, हरियाणा, सहारनपुर, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, हापुड, बुलंदशहर, मथुरा आगरा, इटावा, कानपुर एंव लखनऊ से प्रसारित

वर्ष : 12 अंक : 228 | रविवार 08 दिसंबर 2024, गाजियाबाद | RNI No-UPHIN / 2013 / 50466 | पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

बांग्लादेश-भारत के बीच चल रहे तनाव के चलते बॉर्डर पर बीटिंग रिट्रीट रोकी गई

नई दिल्ली।

शेख हसीना के सत्ता से बेदखल होने के बाद बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यक के खिलाफ अत्याचार जारी है। वहीं, भारत विरोधी कदम उठाए जा रहे हैं। हालात ये हैं कि त्रिपुरा में भारत बांग्लादेश सीमा पर आयोजित बीटिंग रिट्रीट को रोका गया। बीटिंग रिट्रीट शनिवार और रविवार को आयाजित होता था। भारत और बांग्लादेश के बीच जारी तनातनी के बीच अगरतला में अखूरा बार्डर में बीटिंग रिट्रीट का आयोजन बंद हुआ। खबर आ रही है कि बांग्लादेश की सेना ने भारत की सीमा पर पश्चिम बंगाल के पास तुर्की निर्मित ड्रोन तैनात किए हैं। सीमा पर बांग्लादेश की सेना की बढ़ती गतिविधियों को देखते हुए भारतीय सेना ने सीमा पर निगरानी बढ़ा दी है। भारत ने शेख हसीना की अवामी लीग की सरकार गिरने के बाद बॉर्डर पर आतंकवादी गतिविधियों में वृद्धि के खुफिया रिपोर्ट मिलने के बाद से निगरानी बढ़ाई है। सूत्रों से पता चला है कि सेना ने सीमा के करीब बेराकटर टीबी2 मानव रहित हवाई वाहनों (यूएवी) की तैनाती की पुष्टि की है। इन ड्रोनों का संचालन बांग्लादेश की 67वीं सेना खुफिया, निगरानी और टोही मिशनों के लिए करती है। जबकि बांग्लादेश ने दावा किया कि यह तैनाती रक्षा उद्देश्यों के लिए है, भारत ने संवेदनशील क्षेत्र में ऐसे उन्नत ड्रोनों की तैनाती के रणनीतिक महत्व को नजरअंदाज नहीं किया है।

वहीं,मुस्लिम संगठनों ने भारत के खिलाफ बड़े प्रदर्शन का आयोजन किया। इस प्रदर्शन में मुस्लिम संगठन के नेताओं ने पुलिस सुरक्षा में हुए इस प्रदर्शन में आईएसआईएस के झंडे भी लहराए गए। प्रदर्शनकारियो ने बांग्लादेश में भारतीयों पर हमले और उनकी हत्या करने की धमकी दी। बांग्लादेश में लगातार हो रही ऐसी घटनाएं दर्शाती हैं कि कट्टरता पैर पसार रही है।

इधर, श्रीभूमि जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा पर हिंदू मंदिर में रिनोवेशन को रोक दिया। बांग्लादेश की सेना ने हिंदू मंदिर का रेनोवेशन का कड़ा विरोध किया था। हालांकि, बांग्लादेश की सेना ने इस संबंध में अंतर्राष्ट्रीय प्रोटोकॉल का हवाला दिया था। भारत ने इस संबंध में शांतिपूर्ण हल निकालने पर जोर दिया है।

दैनिक संस्कार उजाला
न्यूज एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें

संस्कार उजाला समाचार पत्र में रिपोर्टर, ब्यूरोचीफ, मार्केटिंग करने वालों लोगों की जरूरत है। तुरंत संपर्क करें।

महेश शर्मा
प्रबंध संपादक
मो.नं:-9911733939

शाही इमाम बुखारी की पीएम मोदी से अपील, मुस्लिम समुदाय के साथ संवाद स्थापित करें

नई दिल्ली।

दिल्ली की ऐतिहासिक जामा मस्जिद के शाही इमाम सैयद अहमद बुखारी ने नमाज के दौरान देश में बढ़ते सांप्रदायिक तनाव पर चिंता जाहिर की। इस दौरान बुखारी भावुक हो गए। उन्होंने नम आंखों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुस्लिम समुदाय के साथ संवाद स्थापित करने की बात की। उन्होंने कहा, हम 1947 से भी बदतर स्थिति में खड़े हैं। किसी को नहीं पता कि देश भविष्य में किस दिशा में जाएगा। बुखारी ने प्रधानमंत्री मोदी से तत्काल मुद्दे पर संज्ञान लेने की मांग की। उन्होंने सुझाव दिया कि तीन हिंदुओं और तीन मुसलमानों को बुलाकर चर्चा करे। उन्होंने कहा, आप उस कुर्सी के साथ न्याय कीजिए जिस पर आप बैठे हैं। मुसलमानों का दिल जीतिए। उन उपद्रवियों को रोकिए जो देश का माहौल बिगाड़ने का काम कर रहे हैं। उन्होंने मुस्लिम युवाओं से धैर्य बनाकर रखने का अनुरोध कर कहा कि कोई भी कदम सोच-समझकर उठाएं। यह अपील उत्तर प्रदेश के संभल में 24 नवंबर को हुई हिंसक झड़पों के बाद आई है। बता दें कि 19 नवंबर को कोर्ट के आदेश पर मस्जिद का सर्वेक्षण हुआ। एक याचिका में दावा किया गया था कि इस स्थल पर पहले एक हरिहर मंदिर था। इसके बाद से संभल में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। बुखारी ने कहा, एएसआई (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) ने हमें बताया है कि दिल्ली जामा मस्जिद का सर्वेक्षण करने का कोई इरादा नहीं है, लेकिन मोदी सरकार को संभल, अजमेर और अन्य जगहों पर हो रहे सर्वेक्षणों पर गंभीरता से सोचना चाहिए।

『सुविचार』

"जिसके खिलाफ सब लोग खड़े हों, समझ जाना वही इंसान सच्चा है।"

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश मामले पर मायावती का बड़ा हमला, सिर्फ मुस्लिम वोटों की खातिर चुप हैं कांग्रेस

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने बांग्लादेश में हिंदू दलितों के खिलाफ हो रहे अत्याचारों पर चिंता जाहिर की है। उन्होंने आरोप लगाया कि बांग्लादेश में विशेष रूप से दलित और कमजोर वर्ग के हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है, और कांग्रेस पार्टी इस मुद्दे पर चुप साधे हुए है। मायावती ने आरोप लगाया कि कांग्रेस केवल मुस्लिम वोटों के खातिर ऐसा कर रही है, जबकि बांग्लादेशी हिंदुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचारों पर उन्हें आवाज उठानी चाहिए थी। मायावती ने कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और उनके समर्थकों को एक ही सिक्के के दो पहलू बताकर कहा कि इन दलों ने देश के सामाजिक और राजनीतिक ढांचे को नुकसान पहुंचाने का काम किया है। उन्होंने मोदी सरकार से अपील कर कहा कि वह अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए बांग्लादेशी दलितों के अधिकारों की रक्षा करें और उन्हें भारत में लाने के लिए उचित कदम उठाए। इस बीच, बीजेपी विधायक नितेश राणे ने 10 दिसंबर को महाराष्ट्र में हिंदू रैली आयोजित करने का ऐलान कर दिया है। उनका कहना था कि इस रैली का उद्देश्य बांग्लादेशी हिंदुओं को यह संदेश देना है कि वे अकेले नहीं हैं और भारत के हिंदू उनके समर्थन में खड़े हैं। राणे ने कहा, हम हिंदू बनकर सड़कों पर उतरकर और अपनी ताकत दिखाएंगे। यह रैली बांग्लादेशी हिंदुओं को अत्याचार के खिलाफ हमारा समर्थन दिखाने के लिए है।

अजित को बड़ी राहत, जब्त 1,000 करोड़ से अधिक की संपत्तियां हुई रिलीज

पर्याप्त सबूतों की कमी का हवाला देकर न्यायाधिकरण ने सुनाया फैसला

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार को एक बड़ी राहत मिली है, दरसअल आयकर विभाग ने 2021 में जब्त की गई 1,000 करोड़ से अधिक की संपत्तियों को रिलीज कर दिया। यह कदम बेनामी संपत्ति लेनदेन रोकथाम अपीलीय न्यायाधिकरण द्वारा अजित और उनके परिवार पर बेनामी संपत्ति के स्वामित्व के आरोपों को खारिज करने के बाद लिया गया। इस फैसले के तुरंत बाद अजित ने उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली, जो कि देवेंद्र फडणवीस के मुख्यमंत्री बनने के बाद हुआ। इस मामले में जब्त की गई संपत्तियों में सतारा में एक चीनी मिल, दिल्ली में एक प्लैट और गोवा में एक रिसॉर्ट शामिल थे। न्यायाधिकरण ने मामले में पर्याप्त सबूतों की कमी का हवाला देकर आरोपों को खारिज किया। न्यायाधिकरण ने कहा कि आरोपित संपत्तियों को वैध वित्तीय मार्गों के तहत खरीदा गया था। अजित और उनके परिवार का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिवक्ता ने कहा कि आरोपों का कोई कानूनी आधार नहीं है और उन्होंने जोर दिया कि सभी संपत्तियां वैध तरीके से, बैंकिंग प्रणाली के माध्यम से खरीदी गई थीं।

महाराष्ट्र में एमवीए नेताओं ने शपथ ग्रहण का बहिष्कार किया, ईवीएम पर नहीं भरोसा

मुंबई। महाराष्ट्र में विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के नेताओं ने विधानसभा के तीन दिवसीय विशेष सत्र के पहले दिन शपथ ग्रहण का बहिष्कार करने का फैसला किया। एमवीए के विधायकों का आरोप है कि हाल ही में हुए राज्य चुनावों में ईवीएम (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन) का दुरुपयोग किया गया था। वहीं मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार सहित सत्तारूढ़ दलों के कई नेताओं ने विधानसभा में शपथ ली। वहीं, विपक्षी दलों के सदस्य, जिसमें कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (एसपी) शामिल हैं, ने शपथ लेने से इंकार किया। शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे ने कहा, जब कोई सरकार इतना बड़ा बहुमत हासिल करती है, तब जश्न मनाना चाहिए, लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या उस दल को जनादेश जनता से मिला है या फिर ईवीएम और चुनाव आयोग के जरिए? उन्होंने इस पर सवाल उठाया कि क्या वास्तव में चुनाव जनता की इच्छा से हुए हैं। आदित्य ने सोलापुर के मालशिरस विधानसभा क्षेत्र के मरकड़वाड़ी गांव में कपर्यू और गिरफ्तारियों का विरोध कर कहा कि यहां के ग्रामीणों ने पुनर्मतदान की मांग की थी। वहीं, उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने विपक्ष के ईवीएम विरोध पर प्रतिक्रिया देकर कहा ईवीएम पर आपत्ति अनुचित है। जब एमवीए को लोकसभा में 31 सांसद मिले थे, तब उन्होंने ईवीएम को दोष नहीं दिया था। विपक्ष को विरोध करने का पूरा अधिकार है, लेकिन सदन की कार्यवाही में भाग लेने के लिए शपथ लेना जरूरी है। वे कल तक शपथ ले सकते हैं। यह लगता है कि वे इस प्रकार के विरोध के जरिए अपनी ताकत दिखाना चाहते हैं।

नेतृत्व क्षमता मजबूत हुईः पीएम मोदी

नई दिल्ली ।

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बताया कि निक्षय मित्र और कम समय में प्रभावी उपचार जैसी पहलों से भारत में टीबी के मामलों में उल्लेखनीय कमी आई है। मरीजों के ठीक होने की दर में सुधार हुआ है। पीएम नरेंद्र मोदी ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण जेपी नड्डा की ओर से एक्स पर की गई पोस्ट का जवाब देकर यह पोस्ट की। पीएम मोदी ने पोस्ट में कहा, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा ने विस्तार से बताया कि कैसे भारत के टीबी उन्मूलन प्रयासों में निक्षय पोषण योजना के माध्यम से पोषण संबंधी सहायता से परिवर्तनकारी प्रगति देखी गई है। निक्षय मित्र और कम समय में प्रभावी उपचार जैसी पहलों ने टीबी के मामलों में उल्लेखनीय कमी आई है, मरीजों के ठीक होने की दर में सुधार हुआ है। दरअसल केंद्रीय मंत्री नड्डा ने पोस्ट करते हुए कहा, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत टीबी के खिलाफ लड़ाई में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। भारत में टीबी की रोकथाम के लिए कई पहल की जा रही हैं। इसमें उच्च-भार वाले जिलों में 100-दिवसीय अभियान, निक्षय पोषण योजना के माध्यम से पोषण सहायता में वृद्धि, लागत प्रभावी निदान उपकरण जैसी पहल देश के प्रयासों को गति दे रही हैं। इन कदमों से उपचार कवरेज में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और टीबी के मामलों में कमी आई है। जनभागीदारी पर जोर ने समुदायों को एकजुट किया है, जिससे समय पर निदान और उपचार सुनिश्चित हुआ है। भारत का अभिनव दृष्टिकोण वैश्विक मानक स्थापित कर रहा है और देश को टीबी मुक्त भारत के करीब ले जा रहा है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ओडिशा में विकास परियोजनाओं की रखी आधारशिला

रायरंगपुर ।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने पैतृक क्षेत्र रायरंगपुर में कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखने के साथ ही उद्घाटन किया। इन परियोजनाओं का उद्देश्य क्षेत्र में परिवहन, स्वास्थ्य, शिक्षा और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है।

रेलवे लाइन परियोजनाएं- राष्ट्रपति मुर्मू ने बांगिरिपोसी-गोरुमहिसानी, बुरामारा-चाकुलिया और बादामपहाड़-केंदुझारगढ़।

अन्य विकास कार्य- जनजातीय अनुसंधान और विकास केंद्र की स्थापना के साथ ही दंडबोस हवाई अड्डे का शिलान्यास किया। रायरंगपुर उप-मंडल अस्पताल के 100 बिस्तरों वाले नए भवन का निर्माण।

इस मौके पर राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि उन्हें हमेशा अपनी जन्मभूमि पर गर्व है और यह भूमि उनकी प्रेरणा का स्रोत रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि ये परियोजनाएं क्षेत्र में परिवहन और व्यापार को बढ़ावा देंगी। रेलवे कनेक्टिविटी से स्थानीय लोगों को सुविधाजनक यात्रा और आर्थिक विकास के अवसर मिलेगा। नया अस्पताल भवन बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेगा। इतना ही नहीं आदिवासी बच्चों की शिक्षा के लिए एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों की स्थापना क्षेत्र में शिक्षा और कौशल विकास को बढ़ावा देगी।

एकलव्य मॉडल स्कूल की पहल

ओडिशा में 100 से अधिक एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय स्थापित किए जा रहे हैं।

इसमें से 23 विद्यालय मयूरभंज जिले में बनाए जा रहे है। राष्ट्रपति ने कहा कि इन विद्यालयों से आदिवासी बच्चे समाज और देश की प्रगति में योगदान देने वाले है।

ओडिशा के विकास पर जोर-

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत सरकार के पूर्वोदय विजन के तहत ओडिशा में शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, और पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

उत्तर प्रदेश में पाकिस्तान के पहले प्रधानमंत्री के नाम से जुड़ी मस्जिद पर विवाद

सरकार ने इस शत्रु संपत्ति घोषित किया

लखनऊ ।

उत्तर प्रदेश की एक और मस्जिद को लेकर विवाद पैदा हो गया है। यह विवाद पाकिस्तान के पहले प्रधानमंत्री लियाकत अली खान के नाम से जुड़ा हुआ है। यह मस्जिद उनके भाई सज्जे जाद अली खान की जमीन पर है।

इस अब सरकार के द्वारा शत्रु संपत्ति घोषित किया गया है। इसकी जमीन के कथित रूप से वक्फ संपत्ति होने का दावा किया गया। इसके बाद प्रशासन और शत्रु संपत्ति संरक्षक कार्यालय की एक टीम जांच के लिए पहुंची। यह जमीन मुजफ्फरनगर रेलवे स्टेशन के सामने करीब 0.082 हेक्टेयर में फैली हुई है। बता दें कि यह जमीन पहले रुस्तम अली के नाम पर दर्ज थी। विभाजन के बाद जब रुस्तम अली का परिवार पाकिस्तान पहुंच गया। इसके बाद भारत में मौजूद उनकी संपत्तियों को शत्रु संपत्ति घोषित किया गया है। बाद में इस जमीन पर कब्जा कर एक मस्जिद बना दी गई।

कौन थे लियाकत अली खान?

अली खान पाकिस्तान के पहले प्रधानमंत्री थे। उन्हें पाकिस्तान के कायदे-मिल्लत (राष्ट्र के नेता) और शहीद-ए-मिल्लत (राष्ट्र के शहीद) के रूप में भी जाना जाता है। अली खान का जन्म 1 अक्टूबर 1895 को करनाल जिले में हुआ था। उन्होंने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय और फिर ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से कानून की पढ़ाई की। राजनीति में उनकी शुरुआत भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के साथ हुई, लेकिन बाद में वे मुस्लिम लीग में शामिल हो गए। लियाकत अली ने मोहम्मद अली जिन्ना के साथ मिलकर पाकिस्तान आंदोलन का नेतृत्व किया। 1946 में भारत में हुए चुनावों में मुस्लिम लीग के प्रमुख नेता के रूप में उन्होंने पार्टी को मजबूत किया। पाकिस्तान के निर्माण के बाद वे देश के पहले प्रधानमंत्री बने।

16 अक्टूबर 1951 को रावलपिंडी में जनसभा के दौरान अली की गोली मारकर हत्या कर दी गई। उनके हत्यारे की पहचान स्पष्ट नहीं हो सकी। उनकी हत्या आज भी एक रहस्य बनी हुई है।

यूट्यूब पर कोर्ट की कार्यवाही का लाइव टेलीकास्ट करने वाला गुजरात देश का पहला राज्य : मुख्यमंत्री

भूपेंद्र पटेल ने गुजरात हाई कोर्ट में विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया

अहमदाबाद ।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने शनिवार को गुजरात हाई कोर्ट में राज्य के न्याय तंत्र की आधारभूत सुविधाओं को और अधिक मजबूत करने वाली विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस अवसर पर गुजरात हाई कोर्ट की मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सुनीता अग्रवाल और विधि मंत्री ऋषिकेश पटेल उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प न्यायपालिका को मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध करवाकर उसे समय के अनुरूप भवनों और टेक्नोलॉजी से सुसज्जित करने का है। इस संकल्प को साकार करने की दिशा में गुजरात हाई कोर्ट में आज 133 करोड़ रुपए की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास संपन्न हुआ है। भूपेन्द्र पटेल ने कहा कि गुजरात 1960 में अलग राज्य बना, तब नवरंगपुरा स्थित आकाशवाणी भवन से शुरू हुई गुजरात हाई कोर्ट की यात्रा निरंतर नवीनतम सुविधाओं के साथ आगे बढ़ी है। आज गुजरात हाई कोर्ट का अद्यतन भवन सोला में स्टेट ऑफ दी आर्ट सुविधाओं के साथ कार्यरत है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का सदैव यह प्रयास रहा है कि न्यायालयों और उससे जुड़ी इमारतों या मकानों के निर्माण सहित न्यायाधीशों और कोर्ट स्टाफ को अत्याधुनिक सुविधाए उपलब्ध कराई जाएं। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि राज्य के प्रत्येक तहसील मुख्यालय में प्रधान सिविल जज की कोर्ट कार्यरत कर हमने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट की मुहिम को साकार करने की दिशा में काम किया है। मुख्यमंत्री ने लोकतंत्र में सुशासन की आवश्यकता के विषय में कहा कि किसी भी देश या राज्य के विकास और सुशासन में कानून व्यवस्था एवं न्याय प्रणाली का अहम योगदान होता है। न्यायतंत्र, प्रशासनिक तंत्र और विधानसभा, ये लोकतंत्र और सुशासन के स्तंभ हैं। इन तीनों के बीच योग्य समन्वय सुशासन और लोकतंत्र को गतिमान रखता है। उन्होंने कहा कि लोगों को सुशासन का प्रत्यक्ष अनुभव हो, इसके लिए त्वरित न्याय प्राप्त होना अति आवश्यक है। इसके लिए राज्य सरकार न्यायतंत्र और हाई कोर्ट की जरूरत के अनुसार संसाधन उपलब्ध कराने को कटिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके लिए राज्य सरकार ने कानून विभाग के बजट में वित्तीय प्रावधान किए हैं। वर्ष 2021-22 में यह आवंटन 1698 करोड़ रुपए था, जिसे 2024-25 में 2586 करोड़ रुपए किया गया है। यह न्यायतंत्र की कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, डिजिटलाइजेशन और सुदृढ़ मानवबल उपलब्ध कराने की राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री ने पारदर्शी और कुशल सुशासन के लिए डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को प्राथमिकता दी है। गुजरात हाई कोर्ट ने इस क्षेत्र में एक मिसाल के तौर पर काम किया है। गुजरात यूट्यूब पर अदालती कार्यवाही का लाइव टेलीकास्ट करने वाला देश का पहला राज्य बना है। राज्य की न्यायपालिका ने वर्चुअल कोर्ट, डिजिटल पोर्टल, पेपरलेस ई-फाइलिंग का दृष्टिकोण भी अपनाया है। उन्होंने कहा कि आज जिन विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया है, उससे न्याय प्रणाली में और अधिक तेजी आएगी।

दिल्ली-एनसीआर के लोग आखिर कहां जाएं

योगेंद्र योगी

सवाल दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी परियोजना क्षेत्र (एनसीआर) के करोड़ों लोगों के जीवन का है। इतने लोग अपना कामकाज, घर-बार छोड़ कर कहां जाएं। प्रदूषण के धीमे जहर को पीना उनकी मजबूरी बन गई है। ज्यादातर सांसदों, मंत्रियों पर अकूत दौलत है। उनके लिए प्रदूषण से बचने के लिए कहीं भी देश में सरकारी खर्च पर आना-जाना आसान है। वैसे भी नेताओं को संसद और विधानसभा को सुचारू चलाने की ज्यादा चिंता नहीं है। दिल्ली और एनसीआर के लोगों को सरकारी मशीनरी और नेताओं के नकारापन का अभिशाप झेलने को मजबूर होना पड़ रहा है। देश की राजधानी होने के बावजूद दिल्ली हर तरह के जानलेवा प्रदूषण की शिकार है।

देश की राजधानी दिल्ली का प्रदूषण इतना खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है कि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी दिल्ली आने से घबराते हैं। गडकरी ने कहा कि स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पडे से वह दिल्ली आने से कतराते हैं। गडकरी मंत्री हैं। उनके पास साधन और सुविधाएं हैं। वह कहीं भी आसानी से आवागमन कर सकते हैं। सवाल दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी परियोजना क्षेत्र (एनसीआर) के करोड़ों लोगों के जीवन का है। इतने लोग अपना कामकाज, घर-बार छोड़ कर कहां जाएं। प्रदूषण के धीमे जहर को पीना उनकी मजबूरी बन गई है। ज्यादातर सांसदों, मंत्रियों पर अकूत दौलत है। उनके लिए प्रदूषण से बचने के लिए कहीं भी देश में सरकारी खर्च पर आना-जाना आसान है। वैसे भी नेताओं को संसद और विधानसभा को सुचारू चलाने की ज्यादा चिंता नहीं है। दिल्ली और एनसीआर के लोगों को सरकारी मशीनरी और नेताओं के नकारापन का अभिशाप झेलने को मजबूर होना पड़ रहा है। देश की राजधानी होने के बावजूद दिल्ली हर तरह के जानलेवा प्रदूषण की शिकार है। वाहनों और फैक्टरी के धुएं से होने वाला प्रदूषण, यमुना का प्रदूषण और घरों-प्रतिष्ठानों से निकलने वाले कचरे का प्रदूषण। तीनों तरह के प्रदूषण का बोझ उठाने के लिए दिल्ली अभिशप्त हो चुकी है। दिल्ली में केंद्र में भाजपा गठबंधन की और राज्य में आप की सरकार मौजूद हैं। इससे पहले दिल्ली में लंबी अवधि तक कांग्रेस का शासन रहा है। प्रदूषण से निपटने में सभी राजनीतिक दल नाकाम रहे हैं। दिल्ली में कचरे का पहाड़ आज भी नेताओं के दावों-वादों को मुंह चिढ़ा रहा है।

हिंदू-मुस्लिम विवाद और भ्रष्टाचार की तरह प्रदूषण नेताओं के लिए कभी चुनावी मुद्दा नहीं बन पाया। जब कभी प्रदूषण का मुद्दा उठता भी है, तो केंद्र और दिल्ली की सरकार गेंद एक-दूसरे के पाले में डाल कर अपनी जिम्मेदारी से बरी हो जाती हैं। यही वजह है कि दिल्ली और एनसीआर की आबोहवा इतनी बिगड़ चुकी है कि सांस लेना भी दूभर हो रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक दिल्ली में रहने वाले कम से कम 10 सिगरेट जितना प्रदूषण हर दिन लेने को विवश हैं। सुप्रीम कोर्ट और राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण जैसी संवैधानिक स्वतंत्र संस्थाएं भी तमाम प्रयासों के बावजूद दिल्ली और एनसीआर के प्रदूषण से निपटने में प्रभावी भूमिका अदा नहीं कर सकीं। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने अपने बयान में स्वीकार किया था कि दिल्ली में 50 प्रतिशत प्रदूषण वाहनों से निकलता है। गडकरी देश के परिवहन मंत्री हैं। ऐसे में सवाल यही उठता है कि आखिर प्रदूषण की विकराल समस्या से निपटने की जिम्मेदार किसकी है। जब देश का परिवहन मंत्री ही समस्या के समाधान से मुंह चुराने लगे तो अवाम किससे उम्मीद करे। स्विस संगठन की विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट 2023 में दिल्ली को सबसे खराब वायु गुणवत्ता वाला राजधानी शहर बताया गया है। रिपोर्ट 2023 के अनुसार, 2023 में 134 देशों में से बांग्लादेश और पाकिस्तान के बाद भारत की वायु गुणवत्ता तीसरी सबसे खराब की भविष्यवाणी की गई। राष्ट्रीय राजधानी को वर्ष 2018 से लगातार चार बार विश्व का सबसे प्रदूषित राजधानी शहर बताया गया है। रिपोर्ट में कहा गया कि अनुमान है कि भारत में 1.36 अरब लोग पीएम 2.5 की सांद्रता का अनुभव करते हैं, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा अनुशंसित वार्षिक दिशानिर्देश स्तर 5 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से अधिक है। दिल्ली और एनसीआर में प्रदूषण से खराब हालात में सुधार करने के लिए सुप्रीम कोर्ट के प्रयास भी सरकारों के नकारापन के कारण बौने साबित हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट दर्जनों बार फटकार लगा चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर सुनवाई के दौरान कहा कि कोर्ट कमिश्नरों की रिपोर्ट में चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। अदालत ने कहा कि सरकारी एजेंसियों और दिल्ली पुलिस के बीच समन्वय की कमी है। साथ ही अदालत ने कहा कि दिल्ली में फिलहाल ग्रैप-4 जारी रहेगा। दिल्ली सरकार, एमसीडी, डीपीसीसी, सीएक्यूएम और अन्य अधिकारियों के बीच समन्वय की पूरी तरह से कमी है। समन्वय सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग पर है।

इसलिए ग्रैप-4 को लागू करने के लिए समन्वय हो। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार के साथ-साथ पंजाब और हरियाणा की राज्य सरकारों को फटकार लगाई क्योंकि राज्य प्रदूषण विरोधी उपायों को लागू करने में विफल रहे। यह ऐसे समय में हुआ है जब दिल्ली एनसीआर की वायु गुणवत्ता बहुत खराब बनी हुई है, जिससे सांस संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। मामले की सुनवाई कर रही शीर्ष अदालत की पीठ ने पंजाब और हरियाणा सरकारों द्वारा खेतों में लगी आग को बुझाने के प्रयासों को मात्र दिखावा करार दिया। हवा की गुणवत्ता खराब होने का एक स्पष्ट कारण पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश जैसे कृषि प्रधान राज्यों में पराली जलाने की बार-बार होने वाली घटनाएं हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने 23 अक्टूबर को पर्यावरण कानूनों को शक्तिहीन बनाने के लिए केंद्र की आलोचना की और कहा कि वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) अधिनियम के तहत पराली जलाने पर दंड से संबंधित प्रावधानों को लागू नहीं किया गया है। मामले की सुनवाई कर रही पीठ ने कहा कि वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के प्रावधान को लागू करने के लिए कोई आवश्यक तंत्र बनाए बिना ही अधिनियम लागू कर दिया गया। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के अनुसार भारत में हर साल पैदा होने वाले 22 मिलियन टन चावल के ठूंठ में से लगभग 14 मिलियन टन पराली को आग के हवाले कर दिया जाता है। यह पैदा होने वाले चावल के ठूंठ का लगभग 63.6 प्रतिशत है और हरियाणा और पंजाब में अकेले जलाई जाने वाली पराली का 48 प्रतिशत हिस्सा है। हालत यह है कि वोटों के डर से राज्य और केंद्र की सरकारें पराली जलाने पर पूरी तरह रोक नहीं लगा पा रही हैं। राजनीतिक दलों के लिए किसानों का वोट बैंक आम लोगों के जीवन पर भारी पड़ रहा है। यही वजह है कि पराली जलाने की हर साल होने वाली घटनाओं के बावजूद कोई भी सरकार सख्त कदम उठाने से हिचकिचाती है। यहां तक कि सरकारें वोटों के लालच में लगातार अदालत के निदेशों की अवहेलना कर रही हैं। कुछ दिन पहले हरियाणा सरकार ने कथित तौर पर कैथल जिले में पराली जलाने के आरोप में 18 किसानों को गिरफ्तार किया था। ऐसी गतिविधियों पर लगाम लगाने में विफल रहने के कारण राज्य के कृषि विभाग के करीब 24 अधिकारियों को निलंबित भी किया गया था। गौरतलब है कि हजारों किसान पराली हर साल जलाते हैं। इसके बावजूद कुछ किसानों की गिरफ्तारी महज दिखावा है। केंद्र सरकार ने 2022 में पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और दिल्ली एनसीआर राज्यों में फसल अवशेषों के इन-सीटू प्रबंधन के लिए कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने की योजना शुरू की। पंजाब को पराली जलाने की समस्या से निपटने के लिए 2018-22 के दौरान इस योजना के तहत 1387.6 करोड़ रुपए से अधिक मिले। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने 22 अक्टूबर को पंजाब सरकार को निर्देश दिया कि वह बताए कि राज्य में धान की पराली जलाने पर रोक लगाने के लिए उसने क्या कदम उठाए हैं। सुप्रीम कोर्ट और एनजीटी के लगातार प्रयासों के बावजूद प्रदूषण से बिगड़े हालात में ज्यादा सुधार नहीं हुआ है। दरअसल नौकरशाह नेताओं के इशारों पर काम करते हैं। नेता वोट के कारण किसानों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने से कतराते हैं। यह निश्चित है कि विश्व में प्रदूषण को लेकर बदनाम हो चुकी राजधानी के हालात सुधारने के लिए जब तक अदालतें नौकरशाहों के खिलाफ कठोर कार्रवाई नहीं करेंगी, तब तक इनकी प्रवृत्ति में सुधार संभव नहीं है। दिल्ली की गंदी होती सांसों को स्वच्छ बनाने की जरूरत है।

(स्वतंत्र लेखक)

संपादकीय

एकता का महत्त्व

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संभल में उपद्रवियों के प्रति हमदर्दी रखने वाले दलों पर सीधा हमला बोला है। वह अयोध्या में रामायण मेले में उद्घाटन के बाद बोल रहे थे। योगी ने अयोध्या और संभल में मुगल शासक बाबर की सेना ने जो किया था, और जो आज बांग्लादेश में हो रहा है, उसका ड़ीएनए एक ही बताया। उन्होंने कहा, अगर हमने एकता को महत्त्व दिया होता, देश के दुश्मनों की रणनीति सफल न होने दी होती तो यह देश कभी गुलाम नहीं बनता। हमारे तीर्थ कभी अपवित्र नहीं होते। मुट्ठी भर आक्रांता कभी हम पर आक्रमण नहीं कर पाते। हालांकि योगी ने किसी का नाम नहीं लिया। मगर सामाजिक

तानेझबान को छिन्न-भिन्न करने वालों के लिए जाति आधारित राजनीति करने का आरोप लगाया। असल में संभल में हिंसा, उपद्रव और गोली-बारी की घटना के बाद से विपक्ष राज्य सरकार को निशाने पर रखे हुए है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने उपद्रवियों को बेकसूर बताते हुए उनके परिवारों को आर्थिक मदद का ऐलान किया है। विपक्ष का आरोप है कि भाजपा लोगों का ध्यान भटकाने के लिए जान बूझकर संभल में तनाव उत्पन्न करवा रही है। योगी भगवान राम, रामराज और सनातन धर्म की रक्षा की बात भले ही कर रहे थे मगर हकीकत यही है कि भाजपा ने सत्ता में आने के बाद से देश को धर्म के नाम पर बांटने का ही काम किया है। रामलला को अयोध्या धाम में विराजमान कराने और भव्य मंदिर बनाने के बाद से उत्साहित राज्य सरकार राम के आदर्शों की दुहाइयां जनता को देती रहती है। हालांकि संभल की घटना को बांग्लादेश में हिन्दुओं के खिलाफ हो रहे दंगों से जोड़ना अतिश्योक्ति है क्योंकि संभल की जिस जामा मस्जिद के सर्वे को लेकर मामला भड़का, वह विवादों में भले ही रही है मगर उसके करीब रहने वाले दोनों समुदायों के लोग मिल-जुल कर रहते आए हैं। जब तक असल दोषियों की पहचान नहीं होती, इस तरह की बायनबाजी से सबको बचना चाहिए। मुगल शासकों का अपना इतिहास है जिसे बदला नहीं जा सकता। देश की गुलामी का दोष किसी समुदाय के मत्थे मढ़ने से हकीकत नहीं बदली जा सकती। भगवान राम और जानकी के प्रति श्रद्धा भाव रखने वाला कोई भी सनातनी निष्ठुर नहीं हो सकता। राम त्याग और बलिदान की साक्षात मूर्ति हैं। उनसे हमें सहिष्णुता सीखनी चाहिए। राज्य में अमन और शांति की बहाली का काम सरकार का है। निःसंदेह एकता का महत्त्व कम नहीं है। दुश्मनों से भिड़ने के लिए हमें इस एकता के महत्त्व को कमतर नहीं आंकना चाहिए।

चिंतन-मनन

ईश्वर का दोस्त

एक संत ने एक रात स्वप्न देखा कि उनके पास एक देवदूत आया है। देवदूत के हाथ में एक सूची थी। उसने कहा, यह उन लोगों की सूची है, जो प्रभु से प्रेम करते हैं। संत ने कहा, मैं भी प्रभु से प्रेम करता हूं। मेरा नाम तो इसमें अवश्य होगा। देवदूत बोला, नहीं, इसमें आप का नाम नहीं है। संत उदास हो गए। फिर उन्होंने पूछा, इसमें मेरा नाम क्यों नहीं है? मैं ईश्वर से ही प्रेम नहीं करता बल्कि गरीबों से भी प्रेम करता हूं। मैं अपना अधिकतर समय निर्धनों की सेवा में लगाता हूं। उसके बाद जो समय बचता है उसमें प्रभु का स्मरण करता हूं। तभी संत की आंख खुल गई। दिन में वह स्वप्न को याद कर उदास थे। एक शिष्य ने उदासी का कारण पूछा तो संत ने स्वप्न की बात बताई और कहा, लगता है सेवा करने में कहीं कोई कमी रह गई है। दूसरे दिन संत ने फिर वही स्वप्न देखा। वही देवदूत फिर उनके सामने खड़ा था। इस बार भी उसके हाथ में कागज था। संत ने बेरुखी से कहा, अब क्यों आए हो मेरे पास? मुझे प्रभु से कुछ नहीं चाहिए।

देवदूत ने कहा, आपको प्रभु से कुछ नहीं चाहिए, लेकिन प्रभु का तो आप पर भरोसा है। इस बार मेरे हाथ में दूसरी सूची है। संत ने कहा, तुम उनके पास जाओ जिनके नाम इस सूची में हैं। मेरे पास क्यों आए हो? देवदूत बोला, इस सूची में आप का नाम सबसे ऊपर है। यह सुन कर संत को आश्चर्य हुआ। बोले, क्या यह भी ईश्वर से प्रेम करने वालों की सूची है। देवदूत ने कहा, नहीं, यह वह सूची है जिन्हें प्रभु प्रेम करते हैं। ईश्वर से प्रेम करने वाले तो बहुत हैं, लेकिन प्रभु उसको प्रेम करते हैं जो गरीबों से प्रेम करते हैं। प्रभु उसको प्रेम नहीं करते जो दिन रात कुछ पाने के लिए प्रभु का गुणगान करते रहते हैं।

संसद में नोटों की गड्डियों का रहस्य

राकेश अचल

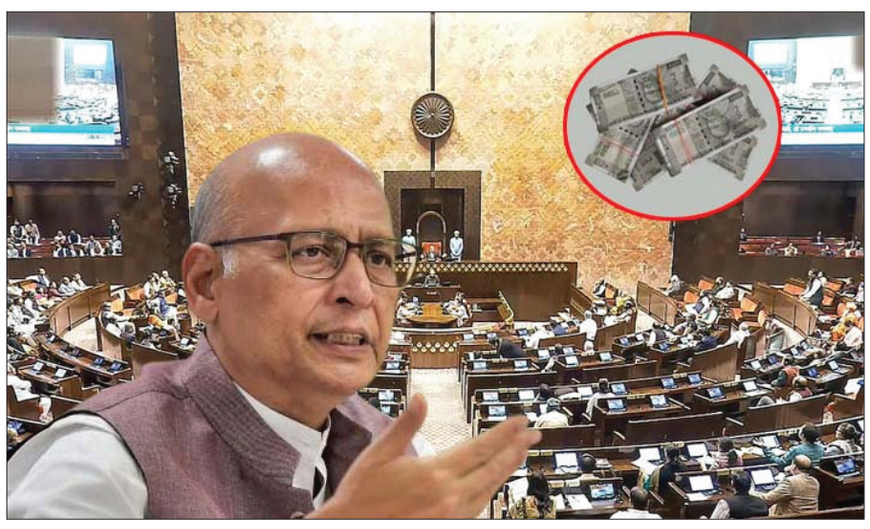

भारतीय संसद हर मामले में दुनिया की दूसरी सांसदों से अलग है ,अनूठी है ,विशिष्ट है । हमारी संसद में प्रदर्शनकारी भी घुस सकते हैं , आतंकी भी हमला कर सकते हैं और सांसद भी नोटों की गड्डियां लहरा सकते हैं। विधेयकों को फाड़ना तो आम बात है। संसद के शीत सत्र में जिस दिन किसान आंदोलन पर,संविधान पर चर्चा होना थी उसे नोटों की गद्दियों ने धूमिल कर दिया। सभापति श्रीमान जगदीप धनकड़ साहब ने सदन की कार्रवाई शुरू होते ही ये बम फोड़ा।

धनकड़ साहब की मासूमियत पर मेरा दिल तो हमेशा से फिदा है । वे कहते हैं कि उन्होंने सोचा कि जिस किसी सांसद के ये नोट होंगे वो आएगा और अपना दावा जतायेगा,किन्तु जब कोई नहीं आया तब उन्होंने इस मामले की जांच करने के लिए कहा। धनकड़ साहब की सूचना सत्ता पक्ष के लिए एक नया हथियार बन गया । सत्ता पक्ष ने विपक्ष को आड़े हाथ लिया तो विपक्ष के नेता श्रीमान मल्लिकार्जुन खड़गे खड़े हो गए । उन्होंने कहा की जब तक मामले की जांच के निष्कर्ष नहीं आ जाते तब तक कोई किसी को कैसे दोषी ठहरा सकता है। सत्ता पक्ष के नेता जेपी नड्डा साहब ने खड़गे पर माले की जांच को दबाने की कोशिश बताया तो बात और बिगड़ गयी।

मजे की बात ये है कि जैसे ही सीट नंबर 222 का जिक्र हुआ ,वैसे ही इस सीट पर बैठने वाले कांग्रेस के अभिषेक मनु सिंघवी का बयान आ गया । अभिषेक जी कहते हैं कि वे तो केवल पांच सौ का एक नॉट लेकर सदन जाते हैं। उनकी सीट पर नोटों की ये गड्डियां कहाँ से आयीं ,वे नहीं जानते। सिंधवी का कहना है कि वे तो सदन में केवल तीन मिनीट ही रुके ,क्योंकि उनके आते ही सदन की कार्रवाई समाप्त हो गयी थी। अब सवाल ये है की किसे सही माना जाए ? अभिषेक जी को या धनकड़ जी को। सच्चाई का पता तो जांच के बाद ही चल सकता है। अब सब जानते हैं की नोटों के न पंख होते हैं और न पैर । वे सदन में न उड़कर आ सकते हैं और न चलके । मतलब ये कि उन्हें कोई न कोई तो लेकर आय। या तो वे अभिषेक सिंधवी के साथ आये या इन नोटों को कोई और लेकर आया और ये नोट जानबूझकर अभिषेक की सीट पर रखे गए ताकि सिंघवी को बढ़नाम किया जा सके। या फिर सदन में किसानों के मुद्दे पर कार्रवाई को टाला जा सके।

आपकी जानकारी के लिए बता दूँ कि इससे पहले सदन में नोट चलकर कभी नहीं आये । उन्हें लाया गया । 2008 में भाजपा सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते,अशोक अर्गल और महावीर सिंह करोड़ नोटों की गड्डियां लहराते हुए सदन में आये थे । आरोप था कि तत्कालीन सरकार को गिरने से बचाने के लिए किसी अज्ञात व्यक्ति ने उन्हें ये नोट दिए। इस मामले में भी जांच हुई और नतीजा वो ही चूं-चूं का मुरब्बा ही निकला। संसद में पिछले साल परदरसशंकारियों ने सदन के भीतर जाकर प्रदर्शन किया था ,लेकिन क्या हुआ ? कुछ नहीं। संसद आम जनता के लिए सुरक्षा के नाम पर अलभ्य है लेकिन फिर भी वहां कुछ न कुछ होता ही रहता है।

हमारी संसद आखिर संसद न हुई ,किसी गरीब की जोरू हो गयी। कोई जब मन करे तब संसद को अपने ढंग से चलाने की कोशिश करता है। कभी सदन हंगामें डूबा रहता है तो कभी वहां हाथापई की नौबत आए जाती है । कभीयहां नोट लहराए जाते हैं तो कभी भगवान की तस्वीरें दिखा सकता है। संसद फैशन परेड का रैम्प तो पहले से है ही। सदन मेंॅल्ली चुने सांसद हैं जो सच्चे मन से संसदीय कार्रवाई में हिस्सा लेने की तैयारी करआते है। बाकी के लिए तो संसद हाजरी लगाने की जगह रह गयी है।

देश चाहता है की राजयसभा में नोटों की गड्डियां मिलने का रहस्य केवल रहस्य न रहे बल्कि उजागर हो ताकि भविष्य में इस तरह की अशोभनीय घटनाओं को रोका जा सके।

महंगाई-विकास : संतुलन साधने का प्रयास

सतीश सिंह

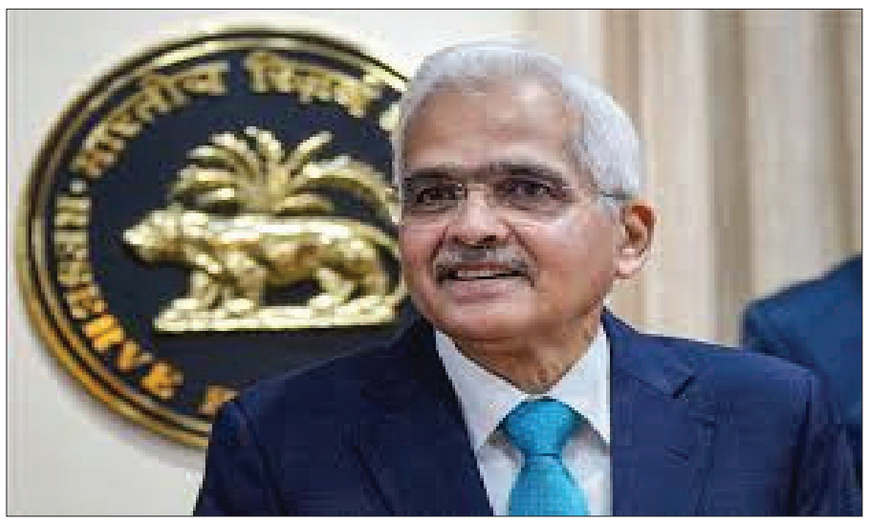

भारतीय रिजर्व बैंक ने 11वीं बार रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। साथ ही, नीतिगत दरों में बदलाव नहीं करने से स्टैंडिंग डिपॉजिट फैसिलिटी यानी एसडीएफ दर 6.25 प्रतिशत परङ्क मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी यानी एमएसएफ दर और बैंक दर 6.75 प्रतिशत पर यथावत है।

इससे पहले फरवरी, 2023 में रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की वृद्धि की गई थी, जिससे यह बढ़ कर 6.5 प्रतिशत के स्तर पर आ गई थी। उल्लेखनीय है कि कोरोना महामारी से पहले 6 फरवरी, 2020 को रेपो दर 5.15 प्रतिशत के स्तर पर थी। रिजर्व बैंक ने 27 मार्च, 2020 से 9 अक्टूबर, 2020 के दौरान रेपो दर में 0.40 प्रतिशत की कटौती की। तदुपरांत, मौद्रिक नीति समिति ने अपनी 10 बैठकों में 5 बार रेपो दर में बढ़ोतरी की, जबकि 4 बार रेपो दर को यथावत रखा और 1 बार अगस्त, 2022 में रेपो दर में 0.50 आधार अंकों की कटौती की। रिजर्व बैंक मुद्रास्फीति को लेकर अभी भी आशंकित है क्योंकि मुद्रास्फीति सीधे तौर पर विकास की गति को धीमा करती है और यह अभी उच्च स्तर पर बनी हुई है। पुनः महंगाई बढ़ने की आशंका की वजह से रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वृद्धि दर के अनुमान को 7.2 से घटा कर 6.6 प्रतिशत कर दिया है।

चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में जीडीपी 5.4 प्रतिशत रही जो विगत 7 तिमाहियों का सबसे निचला स्तर है। गिरावट का मूल कारण विनिर्माण और खनन क्षेत्र में विकास दर में उल्लेखनीय कमी आना है। पहली तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 6.7 प्रतिशत रही थी, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 8.1 प्रतिशत रही थी। रिजर्व बैंक के अनुसार खरीफ की अच्छी पैदावार, सिंचाई की उपलब्धता में आई बेहतरी से कृषि क्षेत्र की विकास दर में तेजी आई है। खनन और बिजली क्षेत्र में भी वृद्धि दर की गति संतोषजनक रही है, और औद्योगिक गतिविधियों में तेजी आने की उम्मीद है, लेकिन भू-राजनैतिक संकट लगातार बने रहने और मुद्रास्फीति में तेजी आने से जीडीपी वृद्धि दर धीमी पड़ने की आशंका भी बनी हुई है, क्योंकि इन दो कारकों के कारण विकास के दूसरे मानकों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने अपने ताजा अनुमान में मुद्रास्फीति के वित्त वर्ष 2024-25 में 5.6 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 5.8 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 4.2 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। वहीं, अक्टूबर, 2024 में मुद्रास्फीति 14 महीनों के उच्च स्तर 6.21 प्रतिशत पर थी, जबकि सितम्बर, 2024 में यह 6.6 प्रतिशत के स्तर पर थी। इस तरह, विगत 2 महीनों में औसत मुद्रास्फीति दर 5.9 प्रतिशत रही है। किसी की क्रय शक्ति को निर्धारित करने में मुद्रास्फीति महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मुद्रास्फीति बढ़ने पर वस्तु एवं सेवा, दोनों की कीमतों में इजाफा होता है, जिससे व्यक्ति की खरीददारी क्षमता कम हो जाती है, और वस्तुओं एवं सेवाओं की मांग कम हो जाती है। फिर, उनकी बिक्री कम होती है, उनके उत्पादन में कमी आती है, कंपनी को घाटा होता है, कामगारों की छंटनी होती है, रोजगार सृजन में कमी आती है आदि। फलतः आर्थिक गतिविधियां धीमी पड़ जाती हैं एवं विकास की गति बाधित होती है। ऐसे में कहना समीचीन होगा कि मुद्रास्फीति को कम करने से ही विकास की गाड़ी तेज गति से आगे बढ़ सकती है। रेपो दर फरवरी, 2023 से 6.5 प्रतिशत के स्तर पर कायम है, जिसके कारण उधारी दर भी उच्च स्तर पर बनी हुई है। 15 नवम्बर, 2024 तक ऋण उठाव घट कर 11.1 प्रतिशत रह गया, जो विगत वर्ष आलोच्य अवधि में 20.6 प्रतिशत था। इस अवधि में जमा वृद्धि दर में भी उल्लेखनीय कमी आई है, और इसकी औसत वृद्धि दर मार्च से महज 6.7 प्रतिशत है। बैंक जमा में आई कमी की प्रतिपूर्ति के लिए बैंक सरकारी बॉन्डस को परिपक्वता तिथि से पहले भुना रहे हैं। पूंजी की किल्लत की वजह से उधारी के उठाव में भी उल्लेखनीय कमी आई है, क्योंकि बैंक को पूंजी की कमी के कारण ऋण देने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बैंकों में लगातार पूंजी की किल्लत को देखते हुए रिजर्व बैंक ने नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) को 4.5 प्रतिशत से घटा कर 4 प्रतिशत कर दिया है। पूंजी की उपलब्धता रहने पर बैंक जरूरतमंदों, खुदरा कारोबारियों, लघु, मध्यम, मझौले और बड़े उद्यमियों और कॉरपोरेट्स को ऋण उपलब्ध करा सकेंगे, जिससे आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी और विकास को बल मिलेगा।

बैंकों को अपने पास जमा राशि का एक न्यूनतम प्रतिशत रिजर्व बैंक के पास रिजर्व के तौर पर रखना होता है, जिसे सीआरआर कहते हैं। इसका इस्तेमाल रिजर्व बैंक अर्थव्यवस्था में पैसों के प्रवाह को नियंत्रित करने के लिए करता है, जिससे तरलता यानी बाजार में नकदी की उपलब्धता नियंत्रित रहती है। बहरहाल, केंद्रीय बैंक अभी भी महंगाई की चाल पर पैनी निगाह बनाए हुए है, क्योंकि यह विकास की राह में सबसे बड़ी बाधा है, और साथ में कई प्रकार के दूसरे दुष्परिणामों की जननी भी है। इसलिए, इस बार भी रिजर्व बैंक और मौद्रिक नीति समिति ने रेपो दर को 6.5 प्रतिशत के स्तर पर यथावत रखा है, लेकिन बैंकों के समक्ष पूंजी की कमी को देखते हुए और विकास की गति में तेजी लाने के लिए सीआरआर में 0.50 प्रतिशत की कटौती भी की है।

संक्षिप्त डायरी

हापुड़ पुलिस ने सलमान हत्याकांड का पदार्फाश करते हुए आरोपी युवक को लोहे के पाइप चाकू व अन्य सामान सहित किया गिरफ्तार

संस्कार उजाला
रिपोर्टरभूपेंद्र वर्मा

हापुड़/हापुड़ नगर क्षेत्र अंतर्गत एक सप्ताह पूर्व नगोला चौकी से चंद कदमों की दूरी पर खेत में पड़े मिले बर्तन विक्रेता युवक सलमान के शव की गुत्थी सुलझाते हुए। हापुड़ पुलिस ने सलमान हत्याकांड को अंजाम देने वाले हत्यारे युवक को गिरफ्तार करने का दावा किया है। बता दें कि 1 दिसंबर को नगोला चौकी से चंद कदमों की दूरी पर साप्ताहिक बाजारों में बर्तन बेचने वाले युवक का शव खेत में पड़ा मिला था। जिसकी शिनाख्त सलमान निवासी अलीपुर के रूप में हुई थी। जिसके चलते फॉरेंसिक टीम एवं पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्रित कर घटना का पदार्फाश करते हुए। हत्याकांड को अंजाम देने वाले युवक को एक लोहे का पाइप चाकू अन्य सामान सहित गिरफ्तार किया है। वही इस मामले को लेकर थाना प्रभारी मुनीश प्रताप सिंह ने बताया कि मामले में आरोपित दिल्ली निवासी एवं वर्तमान पता वैशाली कॉलोनी निवासी देवराज उर्फ.भूपेंद्र को गिरफ्तार कर पूछताछ की गई। तो आरोपी युवक ने पूछताछ में बताया कि उसने मृतक सलमान से 4500 रुपए उधार लिए थे। सलमान जिनका लगातार तगादा कर रहा था। जिसमें आरोपी ने अपने आप को जिल्लत महसूस करते हुए उसने ही हत्या कांड को अंजाम देना स्वीकार किया है।

भारत के अग्रणीय ब्रांड आनंद को इंटर डेरी अवार्ड से किया गया सम्मानित

संस्कार उजाला

हापुड़/ भारत के अग्रणीय ब्रांड आनंदा को इंटर डेरी अवार्ड से सम्मानित किया गया। आपको बता दें कि मुंबईः भारतीय डेरी क्षेत्र में अपनी अनूठी पहचान बना चुके आनंदा को हाल ही में इंडियन डेरी एसोसिएशन द्वारा आयोजित इंटर डेरी अवार्ड में प्रमुख पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान आनंदा को डेरी उद्योग में उसके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया है। इंडियन डेरी एसोसिएशन मुंबई में आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रदर्शनी में भारत के विभिन्न हिस्सों से आए डेरी क्षेत्र के प्रमुख कंपनियों ने भाग लिया है।आनंदा को यह पुरस्कार उसकी बेहतर प्रोसेसिंग तकनीकी को अमल मे लाने के लिए दिया गया। आनंदा के चेयरमैन डॉ. राधेश्याम दीक्षित ने इस अवसर पर कहा कि यह पुरस्कार आनंदा के लिए बड़े गौरव की बात है। हम हमेशा अपने उपभोक्ताओं को स्वास्थ्यवर्धक और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आगे भी हम नए उत्पादों के आरएनडी और विकास में लगातार जुटे रहेंगे। आनंदा का मानना है कि गुणवत्ता ही उनकी पहचान है। आनंदा उत्तर प्रदेश के 6000 गांवों से 3 लाख किसानों से उत्तर प्रदेश में स्थापित अपने अवसीतन केंद्र के द्वारा 10 लाख लीटर दूध प्रिक्योर करता है। और आनंदा 10 लाख लीटर दूध को उत्तरप्रदेश के जिला हापुड़, बुलन्दशर, अमरोहा, रायबरेली, सोनभद्र में स्थापित अपने प्रोसेसिंग प्लांटों के द्वारा उच्च गुणवत्ता के मिल्क उत्पाद 40 क्वालिटी पैरामीटर चेक कर उपभोक्ताओं तक पहुँचाता है। इसके साथ ही, आनंदा हर उत्पाद की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देता है। जिससे उपभोक्ताओं को शुद्ध और उच्च गुणवत्ता वाला मिल्क उत्पाद मिल सके। आनंदा का यह अवार्ड डेरी उद्योग में उसकी मेहनत और उत्कृष्टता का प्रतीक है।आनंदा आनंद करो।

सिंभावली क्षेत्र में चोरों के हौसले बुलंद घर के बाहर खड़ी कार को चोरी कर घटना को दिया अंजाम

संस्कार उजाला

गढ़मुक्तेश्वर/सिंभावली थाना क्षेत्र में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है। और चोरों के बुलंद हौसलों का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि चौकी से चांद मीटर की दूरी पर घर के बाहर खड़ी कार को चोर चोरी कर ले गए घटना सीसीटीवी कैमरे में हुई कैद। बता दें कि सिंभावली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले हंसूपुर मोड पर घर के बाहर खड़ी कार को चोर बेखौफ चोरी कर ले गए। कार चोरी की घटना सीसीटीवी कैमरे में हुई कैद। जबकि घटनास्थल से चंद कदमों की दूरी पर नेशनल हाईवे -9 ओवर ब्रिज के नीचे वैट मोड़ पुलिस चौकी बनी हुई है। जिस पर हर समय पुलिस तैनात रहती है।

किसान पी जी कॉलेज से सात स्वयं सेवकों का हुआ राष्ट्रीय एकीकरण शिविर में चयन

संस्कार उजाला

गढ़मुक्तेश्वर/जनपद की तहसील गढ़मुक्तेश्वर के नेशनल हाईवे 24 पर स्थित शिक्षा के मंदिर के रूप में अग्रणीय किसान पी0जी0 कालिज,सिम्भावली (हापुड़) के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों का भारत सरकार,युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा बरेली विश्विद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय एकीकरण शिविर में चयन हुआ। चौधरी चरण सिंह विश्विद्यालय से चयनित आठ छात्रों में से सात का चयन किसान पी जी कालेज सिंभावली (हापुड़) से हुआ है। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ कुँवर जीशान खान ने बताया कि महात्मा ज्योतिबा फूले रूहेलखंड विश्विद्यालय में नेशनल इंटीग्रेशन कैंप की शुरूआत 5 दिसंबर को हुई है। इस प्रतियोगिता में कुल 12 राज्यों के 98 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। इस 7 दिवसीय कैंप में विभिन्न राज्यों के प्रतियोगी अपनी सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन कर रहे हैं। इसमें किसान डिग्री कॉलेज के सात छात्र जिसमें प्रिंस कुमार, विशाल चौहान, अब्दुल कादिर, पारुल, अंजलि,मोनिका विश्वकर्मा आदि ने भाग लिया है। इस इस कार्यक्रम में प्रतिभागियों को भारतीय संस्कृति से संबंधित विभिन्न प्रकार के पहलुओं की जानकारी कालेज के प्राचार्य प्रोफेसर के द्वारा दी जा रही है।

डीएम की अध्यक्षता में तहसील नानपारा में सम्पन्न हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस

गर्भवती महिलाओं की हुई गोदभराई बच्चों का हुआ अन्नप्रासन

संस्कार उजाला
डॉ0सै0अब्दुल खबीर

बहराइच आमजन की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय शनिवार को आयोजित होने वाले सम्पूर्ण समाधान दिवसों की कड़ी में माह दिसम्बर के प्रथम शनिवार को तहसील नानपारा में जिलाधिकारी मोनिका रानी की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ। इस अवसर पर डीएम ने पुलिस अधीक्षक बृंदा शुक्ला, मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र, उप जिलाधिकारी अश्वनी पाण्डेय, पुलिस क्षेत्राधिकारी प्रद्युम्न सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संजय कुमार व अन्य अधिकारियों के साथ फरियादियों की समस्याओं की गम्भीरतापूर्वक सुनवाई की और निस्तारण के लिए सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। डीएम मोनिका रानी ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि पूरी संवेदनशीलता के साथ जनसमस्याओं का निस्तारण करते हुए गरीब व पीड़ित व्यक्तियों को तत्काल न्याय दिलाते हुए उन्हें प्राथमिकता के आधार पर शासकीय योजनाओं से आच्छादित कर मा. मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के निदेशों को अमलीजामा पहनाया जाय। डीएम ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया है कि जनसुनवाई में आने वाले सभी गरीब, जरूरतमन्द तथा असहाय लोगों की हर संभव मदद की जाय तथा उन्हें उनकी पात्रता के अनुसार लाभान्वित भी किया जाय। सम्पूर्ण समाधान दिवस पर 04 गर्भवती महिलाओं श्रीमती गीता, निकिता, रीनू व फुलसरा की गोद भराई की गई तथा 03 बच्चों आदिल, राजगीर व दिव्या को अन्नप्रासन भी कराया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. राजेश उपाध्याय, सहायक निदेशक मत्स्य डॉ. जितेन्द्र कुमार, जिला कृषि अधिकारी सूबेदार यादव, जिला समाज कल्याण अधिकारी रमाशंकर, जिला पूर्ति अधिकारी नरेन्द्र तिवारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी राजकपूर, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष कुमार सिंह, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी मंजरी भारद्वाज, जिला गन्ना अधिकारी आनन्द कुमार शुक्ला सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी, तहसीलदार अजय यादव, नायब तहसीलदार शैलेश अवस्थी व मनीष वर्मा, सम्बन्धित खण्ड विकास अधिकारी, खण्ड शिक्षा अधिकारी, सीडीपीओ व थानाध्यक्ष व अन्य अधिकारी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि तहसील नानपारा में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस प्राप्त 73 प्रार्थना-पत्रों के सापेक्ष 10, तहसील सदर बहराइच में प्राप्त 09 के सापेक्ष 01, मिहींपुरवा (मोतीपुर) में प्राप्त 20 के सापेक्ष 02, पयागपुर में प्राप्त 109 के सापेक्ष 06, कैसरगंज में प्राप्त 98 के सापेक्ष 08 व महसी में प्राप्त 24 प्रार्थना-पत्रों के सापेक्ष 04 का मौके पर निस्तारण किया गया।

मुख्य विकास अधिकारी/प्रभारी जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तहसील सम्पूर्ण समाधान दिवस तहसील सदर में हुआ आयोजन।

संस्कार उजाला
जनपद शाहजहांपुर

शाहजहांपुर/ मुख्य विकास अधिकारी/प्रभारी जिलाधिकारी डॉ0 अपराजिता सिंह तहसील सदर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए प्राप्त शिकायतों को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए राजस्व विभाग सहित अन्य सम्बंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है। उन्होंने सम्पूर्ण समाधान दिवस में जनसामान्य की शिकायतों को एक-एक कर सुनते हुए सम्बंधित विभागीय अधिकारियों को भूमि विवाद/अन्य किसी विवाद की स्थिति में शिकायतकर्ता सहित सभी पक्षों की उपस्थिति में मौके का स्थलीय निरीक्षण कर निस्तारण के निर्देश दिये। सम्पूर्ण समाधान दिवस में उपस्थित फरियादियों की समस्याओं को सुनते हुए उन्होंने कहा कि फरियादियों की शिकायतों का त्वरित निस्तारण और शिकायतकर्ता की संतुष्टि ही सम्पूर्ण समाधान दिवस का मुख्य लक्ष्य है, इसमें किसी भी प्रकार लापरवाही पाये जाने व निस्तारण के अभाव में एक ही समस्या को आवेदक द्वारा बार-बार प्रस्तुत किये जाने अथवा सम्बंधित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा ससमय संज्ञान न लेने को गम्भीरता से लेते हुए जिम्मेदार अधिकारी के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने कहा कि कोई भी गरीब व्यक्ति किसी कल्याणकारी योजनाओं से वंचित न रहने पाये। उन्होंने कहा कि जब भी अधिकारीगण गांवों के भ्रमण पर जाए, अपने विभाग से संबंधित जन कल्याणकारी योजनाओं/कार्यक्रमों का मौके पर सत्यापन करें। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुसार यह सुनिश्चित कराया जाय कि पीडितों को त्वरित न्याय मिल सकें। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा सम्बंधित विभाग के अधिकारियों को हस्थातंरित करते हुए निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराये जाने का निर्देश दिया गया।

संपूर्ण समाधान दिवस सदर में कुल 37 शिकायतें प्राप्त, जिसमें से मौके पर 10 प्रार्थना पत्रों का निस्तारण कर शेष प्रार्थना पत्रों को सम्बंधित विभाग के अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराये जाने का निर्देश दिया गया।

ग्राम वासियों ने मिट्टी के अवैध खनन को लेकर उप जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

संस्कार उजाला ब्यूरो बांदा

जनपद बांदा के तहसील बबेरू में जेसीबी संचालकों द्वारा मिट्टी का अवैध खनन बिना प्रशासन की अनुमति के धड़ल्ले से चालू है। आए दिन अनियंत्रित मिट्टी से भरे ट्रैक्टरों की वजह से लगातार सड़क दुर्घटना घटित हो रही हैं। जिसको लेकर प्रशासन भी सोया हुआ है। जिससे मिट्टी माफियाओं के हौसले बुलंद है। मिट्टी के खनन को लेकर ग्राम वासियों ने समाधान दिवस में उप जिला अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर जेसीबी संचालकों पर कार्यवाही की मांग की। ग्राम वासियों ने आरोप लगाया कि प्रशासन की सांठ गांठ से अवैध कारोबार संचालित हो रहा है। ग्राम वासियों ने चेतावनी अगर प्रशासन जेसीबी संचालकों पर कार्यवाही नहीं करते हैं तो जल्द ही बड़ा आंदोलन होगा जिसका जिम्मेदार प्रशासन होगा। इस मौके पर छात्र नेता सनी पटेल, रवि यादव,अवधेश सेन,शिवाकांत तिवारी,सौरभ पटेल,सिद्धार्थ यादव,सौरभ चतुर्वेदी, किशन, अनूप मलिक,शैलेंद्र एवम दर्जनों ग्राम वासी उपस्थित रहे।

तहसील नानपारा में सम्पन्न हुआ कम्बल वितरण कार्यक्रम

संस्कार उजाला
डॉ0सै0अब्दुल खबीर

बहराइच निर्धन, असहाय व निराश्रितों को कड़ाके की ठण्ड से राहत दिलाये जाने के उद्देश्य से तहसील नानपारा में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी मोनिका रानी, पुलिस अधीक्षक वृंदा शुक्ला व मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र ने साथ ग्राम सिलेटनगंज निवासी 11 महिलाओं केता, जाहिदा, फूलकोरा, फूलमती, कलावती, सीमा, निर्मला, दुखाना, सकीना, शबीना व चम्पा को को कम्बल का वितरण किया गया।

भारतीय किसान यूनियन संगठन को निष्ठा पूर्वक आगे बढ़ाने में योगदान देने वाले कार्यकताओं को स्वर्गीय चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत की फोटो भेंटकर किया सम्मानित

संस्कार उजाला

गढ़मुक्तेश्वर/भारतीय किसान यूनियन टिकैत संगठन को निष्ठा पूर्वक आगे बढ़ाने में अपना योगदान देने वाले कार्यकताओं को स्वर्गीय चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत की फोटो भेंट कर सम्मानित किया गया।आपको बता दें कि भारतीय किसान यूनियन टिकैत संगठन के प्रति सच्ची निष्ठा लगन से कार्य करने वाले पदाधिकारी एवं कार्यकताओं को कैंप कार्यालय पर मेरठ मंडल अध्यक्ष जीते चौहान एवं दिनेश त्यागी द्वारा सम्मानित किया गया। जिसमें महावीर सिंह चौहान गढ़मुक्तेश्वर,सुनील भड़ाना, अमरदीप सिंह ,मनोज प्रधान, अनुज सिंह ,आदित्य सिंह, राजकुमार जाटव नरेंद्र त्यागी झड़ीना,सुनील चौहान संसार सिंह आदि सम्मिलित रहे।

तहसील समाधान दिवस में अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याओं का किया निस्तारण

संस्कार उजाला
पुवायां शाहजहांपुर

पुवायां शनिवार को तहसील दिवस में अधिकारियों ने ग्रामीण की समस्याओं को सुनकर उनका निस्तारण करने के लिए आश्वासन दिया पुवाया में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन तहसील पुवायां के सभागार में अपर जिलाधिकारी एवं उप जिलाधिकारी संजय पांडे क्षेत्राधिकार निष्ठा उपाध्याय के नेतृत्व में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया जिसमें राज्य से विभाग संबंधित सभी कर्मचारी मौके पर उपलब्ध रहे जिसमें अपर जिलाधिकारी ने बताया की सबसे ज्यादा शिकायतें राजस्व विभाग संबंधित आई है कुछ सीखते हैं गांव के विकास को लेकर आए कुछ पुलिस संबंधित जिसमें सात शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया है बाकी शिकायतों के निस्तारण के लिए टीम को गठित कर दिया गया है टीम को एक आदेश जारी किया गया कि जिस विभाग से संबंधित शिकायतें हैं उनका निस्तारण एक सप्ताह के अंदर हो जाना चाहिए , फर्जी तरीके से एक युवक विपिन नाम का तहसील दिवस में उप जिलाधिकारी संजय पांडे के पास आया और उसने फर्जी नियुक्ति पत्र वन विभाग का देकर नौकरी लगवाने के लिए कहा फर्जी तरीके से नियुक्ति पत्र देखे हुए उसको तुरंत पुवायां पुलिस के हवाले कर दिया फर्जी तरीके से अधिकारियों को गुमराह करने के आरोप में उसे पर आगे के कार्रवाई की जा रही है। चार थाने की पुलिस तहसील समाधान दिवस में उपस्थिति रही

सम्पूर्ण समाधान दिवस के दृष्टिगत जिलाधिकारी सूर्य पाल गंगवार पहुँचे तहसील बक्शी का तालाब,किया जनसुनवाई

संस्कार उजाला
देवेन्द्र कुमार मिश्रा

लखनऊ आज समाधान दिवस के आयोजन में समाधान दिवस से पहले जिलाधिकारी द्वारा किया ग तहसील बक्शी का तालाब का निरीक्षण निरीक्षण किया गया खतौनी रूम, कानूनगो कक्ष, लेखपाल कक्ष, स्वान कंप्यूटर रूम आदि का निरीक्षण जिलाधिकारी द्वारा किया गया निरीक्षण के दौरान वरासत के निरस्त प्रकरणों का स्वय जिलाधिकारी ने सत्यापन किया समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी के निर्देश सभी विभाग पिछले तहसील दिवस के प्रकरणों के निस्तारण शिकायतकताओं से कॉल करके सत्यापित करें जिलाधिकारी ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा सम्पूर्ण समाधान दिवस में आए हुए प्रकरणों का तत्काल कराया जाए गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराया जाए निस्तारणो के सत्यापन के लिए अधिकारी शिकायतकताओं को कॉल करके फीडबैक ले किसी को कोई भी समस्या आती है तो तहसील दिवस में पुनः अपनी समस्या से अधिकारियों को अवगत कराए तत्काल उन समस्याओं का समाधान कराया जाएगा

अवैध रेत खनन पर एसडीएम सख्त,कार्रवाई से मचा हड़कंप नहर से लाई जा रही अवैध रेत भरी ट्रैक्टर ट्रॉली को पकड़कर किया सीज--

संस्कार उजाला

पूरनपुर, पीलीभीत। अवैध खनन कर रहे रेत व मिट्टी खनन माफिया अपने कारोबार को धड़ल्ले से बेखौफ चला रहे है। इन दिनों नहर में पानी कम होने पर रेत माफिया कारोबारी जी भरकर रेत को इकट्ठा करके पानी बढ़ने पर ऊंचे दामों में बेच देते है। पूरी रात नहर से अवैध खनन कर रेत भरे ट्रैक्टर ट्रॉली गुजरती रहती है। सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र में बीती रात सूचना पर पहुंचे पूरनपुर उपजिलाधिकारी और नायबतहसीलदार ने छापेमारी कर रेत से भरे एक ट्रेक्टर ट्रॉली को पकड़ लिया। छापेमारी की भनक लगते ही अन्य खनन माफिया ट्रैक्टर ट्रॉली लेकर फरार हो गए। खास बात यह है कि इस कारोबार में कई ग्राम प्रधान और सफेदपोश लोग शामिल है। पकड़े गए ट्रैक्टर ट्रॉली को सीज कर चौकी गढ़वा खेड़ा पर खड़ा करा दिया गया है। एसडीएम की छापेमारी के बाद खलबली मची हुई है। सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र में शुक्रवार की बीती रात पूरनपुर एसडीएम अजीत प्रताप सिंह व नायब तहसीलदार ऋषिकांत दीक्षित ने अवैध रेत खनन की सूचना पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान हरीपुर किशनपुर गांव किनारे से निकली खीरी ब्रांच नहर से लाई जा रही अबैध रेत भरे ट्रैक्टर ट्रॉली को राजस्व टीम ने पकड़ लिया।पकड़ा गया ट्रैक्टर ट्रॉली क्षेत्र के एक गांव के ग्राम प्रधान पति का निकला। पकड़े गए ट्रेक्टर ट्रॉली को सीज कर गढ़वा खेड़ा चौकी पर खड़ा करा दियागया। एसडीएम की छापेमारी के बाद खनन माफियाओं में हड़कंप मच गया। सेहरामऊ क्षेत्र में अवैध रेत खनन के कारोबार में क्षेत्र के कई ग्राम प्रधान और जिम्मेदार लोग शामिल है। जो बेखौफ होकर रेत व मिट्टी का अवैध खनन करते है।वहीं इन दिनों रात के अंधेरे में धड़ल्ले से अवैध खनन हो रहा है। इससे पूर्व में भी क्षेत्र के एक ग्राम प्रधान के भाई का अबैध खनन से भरी मिट्टी ट्रैक्टर ट्राली पकड़ कर सीज किया जा चुका है लेकिन खनन माफिया प्रशासन के सख्त रवैये के बावजूद बाज नहीं आ रहे हैं । वही पुलिस और राजस्व विभाग की टीम ने अवैध खनन करने वालों के खिलाफ शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। फिलहाल राजस्व विभाग टीम और सेहरामऊ उत्तरी पुलिस टीम द्वारा पकड़े गए अवैध रेत से भरे ट्रैक्टर ट्रॉली को सीज कर दिया गया है।

बांग्लादेशी हिन्दुओं के प्रति हिंसा के खिलाफ चित्रांश समाज ने सौंपा ज्ञापन

संस्कार उजाला

नानपारा, बहराइच। बांग्लादेश में हो रहे हिंदुओं के प्रति अत्याचार, उत्पीड़न और उनके परिवार के प्रति हिंसा से आहत होकर हिंदू समाज के तमाम संगठनों ने अपना आक्रोश व्यक्त किया है। इसी क्रम में दशहरा समिति भवनियापुर के पदाधिकारियों व कार्यकताओं ने सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी बहराइच मोनिका रानी को सौंपा गया है। ज्ञापन के माध्यम से चित्रांश समाज द्वारा मांग की गई है कि भारत सरकार आवश्यक कूटनीतिक एवं संयुक्त राष्ट्र संघ के चार्टर के अनुसार आवश्यक प्रतिबंधनात्मक कदम उठाते हुए बांग्लादेश को हिंदू उत्पीड़न रोकने हेतु कहे। वहां के हिंदू समाज की सुरक्षा हम सब का नैतिक कर्तव्य है सरकार आवश्यक कारवाही करें।

ज्ञापन देने वालों में के के श्रीवास्तव, चतुर्भुज सहाय, ध्यान प्रकाश, आत्म प्रकाश, सुरेंद्र, निर्मल, आलोक, आनंद प्रकाश श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) की मासिक पंचायत सहकारी गन्ना समिति सिंभावली में हुई संपन्न

संस्कार उजाला

गढ़मुक्तेश्वर/भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) की सिंभावली शुगर मिल से जुड़ी किसानों की समस्याओं को लेकर मासिक पंचायत सहकारी गन्ना समिति सिंभावली के प्रांगण में आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता सुधीर त्यागी एवं संचालन जितेंद्र नागर ने किया। जिसमें जिलाध्यक्ष पवन हूण गुर्जर ने कहा कि हमारी भाकियू अराजनैतिक की महापंचायत 4 नवंबर 2004 को सिंभावली शुगर मिल गेट पर हुई थी। जिसमें मिल प्रबंधक CGM करण सिंह ने मिल मालिक से वार्ता कराने 18/11/2024 नवंबर का वादा भरी पंचायत में लेटर पैड पर लिखित में दिया था। और यह कहा था कि अगर हम वार्ता नहीं करा पाएंगे। तो हम अपने पद से इस्तीफा देंगे। जिसमें आज तक उऋट करण सिंह ने कोई भी वार्ता नहीं करवाई। जिसमें इन्होंने किसानों के साथ धोखा किया है। और वह अपनी बात से पलट गए है। अतः सिंभावली थाना अध्यक्ष महोदय आपसे अनुरोध है कि CGM करण सिंह पर धोखाधड़ी करने के लिए उन पर कार्यवाही की जाए। या वह सिंभावली शुगर मिल प्रबंधक से अपना इस्तीफा दे। इस अवसर पर कटार सिंह, जोगिंदर मावी,मोनू त्यागी, विजेंद्र अधाना, राधेलाल त्यागी,योगेंद्र शर्मा, अनिल हूण, विनीत कुमार, सुनील शर्मा,अरुण त्यागी, मनोज, अनिल अधाना, अंकित मावी, सत्या गुर्जर, सुनील शर्मा,संदीप तोमर, वीरेंद्र नेताजी ,जतन गुर्जर,आदि।

जिलाधिकारी श्री इन्द्र विक्रम सिंह के निर्देशन पर सम्पूर्ण समाधान दिवस सम्पन्न

जनपद की तीनों तहसीलों में कुल 123 शिकायतें प्राप्त, 10 का मौके पर किया निस्तारण

संस्कार उजाला

गाजियाबाद। जिलाधिकारी श्री इन्द्र विक्रम सिंह के निर्देशन में जनपद गाजियाबाद की तीनों तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस मनाया गया। जिसके तहत लोनी में मुख्य विकास अधिकारी श्री अभिनव गोपाल की अध्यक्षता में तहसील दिवस सम्पन्न हुआ। जिसमें कुल 46 शिकायतें प्राप्त हुई जिसमें से 02 का मौके पर निस्तारण किया गया। सदर तहसील में कुल 29 शिकायतें

प्राप्त हुई जिसमें से 04 का मौके पर निस्तारण किया गया। वहीं मोदीनगर तहसील में 48 शिकायतें प्राप्त हुई जिसमें 04 का मौके पर निस्तारण किया गया। इस प्रकार जनपद गाजियाबाद की तीनों तहसीलों में 123 शिकायतें प्राप्त हुई और 10 का मौके पर निस्तारण हुआ। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान तहसीलों में एसडीएम'स, पुलिस अधिकारी, नगर निगम अधिकारी, जीडीए अधिकारी सहित सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पार्षद सुभाष चौधरी ने हरबंसनगर की 12 साल से टूटी पड़ी गली की सड़क का किया निर्माण

संस्कार उजाला

गाजियाबाद संवाददाता ओम प्रकाश

वार्ड 32 के हरबंस नगर गली नंबर 6 में पूर्व पार्षदों ने विकास कार्यों पर कोई गौर नहीं दी थी काफी टाइम से गली का खंडजा टूटा पड़ा था पार्षद सुभाष चौधरी ने पार्षद बनने से पहले गली के लोगों से वादा किया था कि मैं अगर पार्षद बनूगा तो इस गली को पानी वह सड़क का निर्माण अवश्य करूंगा अपने वादे के मुताबिक पार्षद सुभाष चौधरी ने अपना वादा निभाया और गली में पानी में सड़क का निर्माण कराया पार्षद के काम से खुश होकर गली वालों ने और आसपास के क्षेत्रवासी ने पार्षद सुभाष चौधरी का माला पहन कर स्वागत किया पार्षद सुभाष चौधरी ने अपने क्षेत्र की जनता को आश्वासन दिया की मैं अपने वार्ड में बिजली सड़क पानी एवं अन्य समस्याओं से जनता को परेशान

नहीं होने दूंगा क्षेत्र में 40 से 50 सड़कों का निर्माण कार्य चल रहा है व पानी की ट्यूबवेल भी लगाई जा रही हैं व पानी की नई पाइपलाइन भी डाली जा रही है पार्षद के काम को देखते हुए क्षेत्र की जनता ने पार्षद सुभाष चौधरी को धन्यवाद दिया इस मौके पर भारतीय पत्रकार कल्याण संघ के नॉर्थ इंडिया प्रेसिडेंट पत्रकार पुष्पेंद्र सिंह भारतीय पत्रकार कल्याण संघ के एनसीआर प्रेसिडेंट पत्रकार ओमप्रकाश व गाजियाबाद जिला अध्यक्ष दीपक कौशिक बी आर अंबेडकर जन्मोत्सव समिति के पूर्व अध्यक्ष कमलेंद्र गौतम सौरभ उर्फ लकी रविंद्र कुमार देवेंद्र कुमार नरेश कुमार वेद प्रकाश सिंह कपिल कश्यप गुप्ता जी जितेंद्र सिंह व क्षेत्र की महिलाओं ने भी पार्षद सुभाष चौधरी को धन्यवाद दिया शांता देवी कृष्णा सिंह मिथलेश शीला देवी आदि महिलाओं ने भी पार्षद जी का स्वागत किया

संगठन पर्व झ्रसत्यापन अधिकारी ने भाजपा कार्यालय पर सक्रिय सदस्यों की सूची की सत्यापित

संस्कार उजाला

गाजियाबाद, 7 दिसंबर संगठन पर्व 2024 के अंतर्गत भाजपा के सक्रिय सदस्यों की सूची को सत्यापन अधिकारी मुकेश सिंघल पूर्व अध्यक्ष मेरठ महानगर ने जांच कर भाजपा के नेहरू नगर स्थित जिला महानगर कार्यालय पर सत्यापित कर अंतिम रूप दिया और सूची की जाँच का काम पूरा किया। पार्टी शीर्ष नेतृत्व के निर्देश के क्रम में बैठक में महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा, जिला महानगर सत्यापन अधिकारी मुकेश सिंघल एवं संदीप त्यागी, मीडिया प्रभारी प्रदीप चौधरी की उपस्थिति में सक्रिय सदस्य बनने के लिए जमा फॉर्म की जांच पड़ताल की गई। इसके उपरांत जिला कार्यालय पर सक्रिय सदस्यों की सूची की जांच का प्रथम चरण पूरा किया । महानगर अध्यक्ष एवं सदर विधायक संजीव शर्मा ने बताया कि महानगर के सभी वरिष्ठ भाजपाइयों को एवं समर्पित कार्यकताओं को सक्रिय सदस्यों की सूची में शामिल कर सूची को जल्द ही कार्यालय पर चस्पा किया जाएगा। महानगर की सक्रिय सदस्यता सूची में अभी तक निर्धारित लक्ष्य 3000 सक्रिय सदस्यों के नाम हैं।

जिनमें से तकरीबन 2533 सक्रिय सदस्यों का सत्यापन होने के उपरान्त प्रथम चरण का दौर पूरा किया गया है। सूची जांच कर सत्यापन अधिकारी मुकेश सिंघल ने बताया फॉर्मों के सत्यापन और सक्रिय सदस्यों की सूची की जांच करके प्रथम चरण की प्रक्रिया आज पूर्ण की गई है।

इसमें सभी वरिष्ठ एवं प्रतिभावान कार्यकताओं के साथ साथ हर वर्ग के लोगों को समाहित करने का काम किया गया है जिन्होंने 50 सदस्य बनाकर पार्टी की गाइडलाइन को पूरा किया है। दूसरा चरण की प्रक्रिया में सूची में रह गए शेष नाम का जांच कार्य पूरा करते हुए इस प्रक्रिया को पूर्ण संपन्न किया जाना है।

उन्होंने बताया सूची के अंतिम रूप लेने पर सूची बद्ध भाजपा कार्यकताओं को किसी भी पद एवं चुनाव प्रक्रिया में शामिल होने का संवैधानिक अधिकार प्राप्त होता है । पूर्ण तैयार सूची को बहुत जल्द कार्यालय पर चस्पा किए जाएगा।

जिलाधिकारी श्री इन्द्र विक्रम सिंह ने मनाया सशस्त्र सेना झण्डा दिवस

जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ने जिलाधिकारी महोदय को प्रतीक झण्डा लगाकर किया सम्मानित

जिलाधिकारी महोदय ने किया स्मारक प्रत्रिका वर्ष 2024 का विमोचन

संस्कार उजाला

गाजियाबाद। सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर जनपद-गाजियाबाद के भूतपूर्व सैनिकों एवं अनेक परिवारों तथा सेवारत सैनिकों के कल्याण के लिए धन एकत्रित करने हेतु जिलाधिकारी आवास पर जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कैप्टन (आई०एन) राम प्रवेश सिंह, (अ०पा०) द्वारा जिलाधिकारी महोदय श्री इन्द्र विक्रम सिंह को प्रतीक झण्डा लगाकर सम्मानित किया गया तथा निदेशालय सैनिक कल्याण लखनऊ द्वारा प्रकाशित

स्मारक प्रत्रिका वर्ष 2024 का जिलाधिकारी महोदय द्वारा विमोचन किया गया । जिसके प्रति जिलाधिकारी महोदय एवं जिलाधिकारी कैम्प कार्यालय में उपस्थित समस्त अधिकारी एवं स्टाफ द्वारा दान पात्र में दान किया गया। इस मोके पर जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय के श्री जगदीश प्रसाद पायला, श्री विनोद भाटी, श्रीमती कविता देवी, कनिष्ठ सहायक श्री राकेश एवं श्री रवि कुमार तथा जिला सैनिक बन्धु बैठक के सदस्य श्रीमती अन्जु रानी तथा पूर्व हवलदार विरेन्द्र कुमार, श्री बृजभषण अग्रवाल आदि उपस्थित रहे । इसके उपरान्त जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी महोदय कैप्टन, (आई०एन) राम प्रेवश सिंह (अ०पा०) द्वारा कार्यालय में आये समस्त पूर्व सैनिक एवं उनके परिवारों को झण्डा प्रतीक लगाकर जलपान कराया गया तथा उन्होने स्वेच्छा से दान पात्र में दान किया ।

संक्षिप्त डायरी

यूपीएसआईडीसी एमजी रोड पर रोजगार मेला आयोजन किया गया था लेकिन इस रोजगार मेला में कम भीड़ दिखा ।

संस्कार उजाला

हापुड़ के धौलाना औद्योगिक क्षेत्र यूपीएसआईडीसी खिचरा में रोजगार मेला का आयोजन किया गया था लेकिन इस रोजगार मेला में कम भीड़ दिखा । औद्योगिक क्षेत्र यूपीएसआईडीसी खिचरा में पहली बार रोजगार मेला लगाया गया था। जहां उम्मीद था कि इस रोजगार मेला में उमड़ेगा जन सैलाब लेकिन ऐसा देखने को नहीं मिला इस रोजगार मेला में कम लोग ही शामिल हुए।

धौलाना में भाकियू टिकैत की मासिक पंचायत का आयोजन किया गया ।

संस्कार उजाला

हापुड़; उत्तर प्रदेश के जनपद हापुड़ के धौलाना तहसील में समाधान दिवस के मौके पर भारतीय किसान यूनियन टिकैत की मासिक पंचायत का आयोजन किया गया । पंचायत की अध्यक्षता देवेन्द्र शर्मा ने किया और संचालन प्रदीप राणा ने किया । इस पंचायत वार्ता किया कि पुर्व में दिए गए। जितने भी ज्ञापन के निस्तारण के बारे हापुड जिलाधिकारी प्रेरणा शर्मा से एक घंटे वार्ता की गई । इस मौके पर भारतीय किसान यूनियन टिकैत के हापुड़ जिला महासचिव चौधरी सुन्दर सिंह गुर्जर ने जिलाधिकारी से पिछली चार बड़ी समस्याओं के समाधान के लिए वार्ता किया गया। पहला नंदपुर गांव में बाबू शर्मा की गलत चकरोड को मौके पर जाकर देखेंगे जिला अधिकारी। दूसरा तहसील गेट नंबर 1 के सामने डॉक्टर के पी सिंह के क्लिक के सामने बिजली विभाग को फोरन खंभे हटाने को लेकर कहा गया । तीसरा ब्लाक अध्यक्ष धौलाना उमेश राणा को जो लोग तमंचा दिखाने गए थे उन पर कारवाही किए जाए। चौथा उमेश राणा के परिवार को जान से मारने की धमकी देने वाले के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के आदेश पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञाननजय सिंह को तत्काल दिए गए। इस मौके पर चौधरी सुन्दर सिंह गुर्जर जिला महासचिव हापुड, ब्लाक अध्यक्ष उमेश राणा ,बाबू शर्मा, जयप्रकाश शर्मा, दिलशाद, क्षेत्रीय अध्यक्ष डॉ नवीन त्यागी ,अंकित त्यागी, मदनपाल, साबिर, बबलू ,आदेश गुर्जर, किरशन गुर्जर ,राहुल शर्मा, इजारूलहक ,दर्जनों किसान शामिल रहे।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इटावा द्वारा थाना बकेवर एवं थाना भरथना का औचक निरीक्षण कर संबंधित को दिए आवश्यक दिशा निर्देश।

संस्कार उजाला

विशेष संवाददाता मनोज पाठक इटावा

आज दिनांक 07.12.2024 को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इटावा श्री संजय कुमार द्वारा थाना बकेवर एवं थाना भरथना का औचक निरीक्षण किया गया, निरीक्षण के दौरान महोदय द्वारा थाना प्रभारी कार्यालय, थाना कार्यालय, सीसीटीएनएस कक्ष, महिला हेल्प डेस्क, पुलिस अधिकारी/ कर्मचारी आवास, भोजनालय सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं का निरीक्षण कर संबंधित प्रभारी से समस्याओं के बारे में जानकारी कर उनके त्वरित निस्तारण तथा अभिलेखों के सुव्यवस्थित रखरखाव एवं थाना परिसर की साफ सफाई व सौंदर्यीकरण हेतु निर्देशित किया गया ।

किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता पर हल करें....

संस्कार उजाला

उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरणों से किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता पर हल करने के निर्देश दिए हैं। प्रदेश के डीजीपी प्रशांत कुमार के साथ शनिवार को ग्रेटर नोएडा आए मुख्य सचिव ने कहा कि तीनों प्राधिकरण प्रत्येक किसानों की सूची तैयार कर उनके प्राप्त होने वाले लाभ बिना विलंब देना सुनिश्चित करें। मुख्य सचिव ने किसानों की समस्याओं को निस्तारित करने में अवरोध उत्पन्न करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की भी चेतावनी दी। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह और प्रदेश के डीजीपी प्रशांत कुमार ने शनिवार को नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण, पुलिस और जिला

प्रशासन के अधिकारियों के साथ ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के बोर्ड रूम में बैठक की।किसानों की मांगों को हल करने के लिए बनी उच्चस्तरीय समिति की सिफारिशों पर चर्चा करते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि किसानों की पात्रता निर्धारण, अतिरिक्त प्रतिकर और लीजबैक के प्रकरणों को प्राथमिकता पर हल करने के लिए गांवों में शिविर लगाएं। मुख्य सचिव ने कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत तीनों प्राधिकरण भूमिहीन किसानों की पात्रता निर्धारित कर वेंडिंग जोन में जगह आवंटित करें। मुख्य सचिव ने कहा कि किसानों के कामों में अवरोध उत्पन्न करने वाले प्राधिकरणकर्मियों को चिंहित कर सूची प्रदान करें। ऐसे प्राधिकरणकर्मियों पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने ऐसे स्टाफ का इन प्राधिकरणों से स्थानांतरण करने की चेतावनी दी।मुख्य सचिव ने कहा कि प्रत्येक किसानों की सूची तैयार कर लें। किस किसान को क्या हक दिया जाना है, इसकी जानकारी तीनों प्राधिकरणों को होनी चाहिए। उनका निस्तारण समयबद्ध तरीके से कराएं। मुख्य सचिव ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री किसानों की समस्याओं को हल करने के प्रति बेहद गंभीर हैं। उनके निर्देश पर ही यह बैठक आयोजित की गई है। किसानों की समस्याओं को हल करने में लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस बैठक में पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह, मेरठ मंडलायुक्त जे. सेल्वा कुमारी, नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एम लोकेश, डीएम मनीष कुमार वर्मा, यीडा की एसीईओ श्रुति, नोएडा के एसीईओ संजय खत्री, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव, एसीईओ सुनील कुमार सिंह, एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस और एसीईओ प्रेरणा सिंह समेत प्राधिकरण, पुलिस व जिला प्रशासन के अधिकारीगण मौजूद रहे।

कृषि विज्ञान केन्द्र नानपारा में आयोजित हुई कृषक गोष्ठी व कृषक मेला

संस्कार उजाला

डॉ0सै0अब्दुल खबीर

नानपारा बहराइच राष्ट्रीय कृषि विकास योजनान्तर्गत (उद्यान घटक) अन्तर्गत उद्यान विभाग द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र, नानपारा परिसर में आयोजित गोष्ठी/कृषक मेला का मुख्य अतिथि विधायक नानपारा राम निवास वर्मा ने विशिष्ट अतिथि मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र के साथ फीता काटकर शुभारम्भ किया। इस अवसर पर मौजूद प्रगतिशील कृषकों द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि का स्वागत किया गया। कृषि विज्ञान केन्द्र, नानपारा, बहराइच के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. सूर्यबली सिंह द्वारा संकर प्रजाति सब्जी बीज, बेहन एवं श्रीअन्न के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी दी गयी। उन्होंने बताया कि किसान भाई उद्यान विभाग तथा कृषि विज्ञान केन्द्र, बहराइच से जुड़कर औद्यानिक और कृषि फसलों को वैज्ञानिक पद्धति से करते हुए अपनी आय में वृद्धि कर सकते हैं। कृषि वैज्ञानिक डॉ. पी.के. सिंह, द्वारा औद्यानिक फसल सुरक्षा यथा-शाकभाजी, मसाला एवं पुष्प तथा डॉ. उमेश कुमार द्वारा पॉली हाउस में खेती, संकर बीज के प्रयोग, मचान विधि से खेती, एवं टनल विधि से बेहन पौध तैयार करने के साथ-साथ कीट रोग प्रबन्धन के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम को

सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि विधायक-नानपारा राम निवास वर्मा ने बताया कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री भारत सरकार व प्रदेश के मा. मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार की एक दृष्टि है कि कृषकों की आय कैसे दुगनी की जाये। कृषकों की आय दुगनी करने के लिए उद्यान विभाग दृढ़ संकल्पित है। श्री वर्मा उद्यान विभाग के प्रयासों की सराहना करते हुए कृषकों को जैविक खेती, मृदा स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण को महत्व देते हुए पशुपालन अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया, जिससे कि किसान भाई अपनी आय में गुणात्मक वृद्धि कर सके। योजना प्रभारी पंकज वर्मा द्वारा उद्यान विभाग में संचालित योजनाओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री जी का सपना है कि हर खेत को पानी पहुँचे जिसके लिए भारत सरकार व प्रदेश सरकार द्वारा प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना संचालित है। जिसमें ड्रिप, लघु सीमान्त कृषक को इकाई लागत का 90 प्रतिशत व अन्य कृषकों को 80 प्रतिशत अनुदान देय है। उन्होंने किसानों से अपील की कि मृदा परीक्षण कराकर सन्तुलित मात्रा में उर्वरकों एवं कृषि रक्षा रसायनों का प्रयोग कर अपनी फसल की इकाई लागत को कम करके अपनी आय बढ़ाएं। श्री वर्मा ने बताया कि किसान भाई भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना कृषक पारदर्शी योजना (डीबीटी) के अन्तर्गत उद्यान विभाग की वेवसाइट पर जाकर स्वयं/जनसेवा केन्द्र के माध्यम से पंजीकरण कराकर उद्यान विभाग की सभी योजनाओं का ह्यह्यप्रथम आवक-प्रथम पावकह्लह्ल वरीयता के आधार पर लाभ ले सकते हैं। प्रगतिशील शहद उत्पादक रामफेर पाण्डेय ने मौन पालन, पशुपालन व कृषि विविधता के महत्व के बारे में चर्चा करते हुए बताया कि मौन पालन से किसान भाई अपने फसल उत्पादन में अधिक वृद्धि कर सकते हैं। क्योंकि मौन पालन से शहद के अन्य पॉच उत्पाद प्राप्त कर सकते हैं, साथ ही साथ फसल परागंण में मधुमक्खियों का बहुत महत्व है, इससे फसल में अपेक्षित वृद्धि होती हैं। इसके अतिरिक्त मधुमक्खी के प्रकार, पालन तथा उनकी जीवन शैली के बारे में चर्चा की।

इस अवसर पर प्रगतिशील कृषक राजेश कुमार यादव, राम प्रवेश मौर्य, मस्तराम वर्मा, लालता प्रसाद गुप्ता, निरंजन वर्मा, रामफेर पाण्डेय, शिव कुमार, राम कुमार, राजू मौर्या एवं रोहित कुमार को औद्यानिक फसलों में सराहनीय उत्पादन हेतु अंगवस्त्र, प्रशस्ति प्रत्र एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कृषक गोष्ठी के अन्त में जिला उद्यान अधिकारी दिनेश चौधरी ने विभाग में सचालित योजनाओं के बारे में जानकारी देते हुए मेले में आये मुख्य/विशिष्ट अतिथि, वैज्ञानिकों एवं सभी कृषकों को धन्यवाद ज्ञापित किया। गोष्ठी का संचालन विनीत मिश्रा ने किया। इस अवसर दिनेश, रजनीश, अनन्तराम, प्रहलाद विभागीय कर्मचारी सहित सैकड़ों किसान उपस्थित रहे।

बाबा साहेब के 68 वें महापरिनिर्वाण दिवस पर कस्बे में निकाला कैंडल मार्च

संस्कार उजाला

जहांगीरपुर (सुहैल खान)

दिनांक 6 दिसंबर शाम 7 बजे डॉ भीमराव अंबेडकर विद्यालय आशफपुर जहांगीरपुर से भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी के 68 बे महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर कस्बा जहांगीरपुर में कैंडल मार्च निकाला गया और शोक सभा का आयोजन किया गया जिसमे उपस्थित रहे सोनू कुमार गौतम सभासद बसपा डॉ भीमराव अंबेडकर विद्यालय के अध्यक्ष श्री राजू ठेकेदार जी आशफपुर ग्राम प्रधान श्री सुदेश चौधरी जी जहांगीरपुर चौकी इंचार्ज शिवप्रताप सिंह जहांगीरपुर चौकी 2ल्र्ला इंचार्ज शिवम् सचान कांस्टेबल नितिन कुमार प्रधानाचार्य मास्टर संजय कुमार संगम जी मास्टर तेजवीर सिंह विपिन कुमार विधानसभा अध्यक्ष असपा रेखा संगम मिथलेश देवी नीता देवी पूजा कुमारी अंजना सिंह वर्षा कुमारी काजल कुमारी अजीत कुमार रिंकू गौतम मास्टर सन्दीप चौधरी तीरथ सिंह आदि उपस्थित रहे

वाराणसी : शादी के बंधन में बंधे 401 जोड़े

सीएम योगी ने नए जोड़ों को दिया आशीर्वाद

बोले- बेटियों का सम्मान ही प्राथमिकता

संवाददाता

वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को पिंडरा तहसील के नेशनल इंटर कॉलेज मैदान में आयोजित 401 जोड़ो के शादी समारोह में शामिल हुए। सीएम योगी आदित्यनाथ ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि यह सामूहिक विवाह कार्यक्रम सामाजिक कुरीति पर जोरदार प्रहार है। कहा कि जब दहेज रूपी दानव के कारण अनेकों परिवारों के सामने संकट पैदा होता है, कितनी बेटियां अविवाहित रह जाती हैं। ऐसी स्थिति में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना को महान आयोजन बताया। 401 वर-वधु को आशीर्वाद देते हुए सीएम योगी ने इस कार्यक्रम में सम्मिलित अभिभावकों को भी शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की देश में सरकार बनने के बाद उन्होंने महिलाओं को व्यापक स्तर पर सम्मान दिया। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ से उन्होंने जो कार्यक्रम शुरू किया, वह आज देश के अंदर प्रत्येक क्षेत्र में बेटियों द्वारा अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया जा रहा, उसका सर्वत्र स्वागत किया जा रहा है। सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री की प्रेरणा से वर्ष 2017 में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना कार्यक्रम शुरू किया गया। जिसके अंतर्गत अब तक प्रदेश में चार लाख से अधिक बेटियों की शादियां कराई जा चुकी हैं। सामूहिक शादी कार्यक्रम को यज्ञ बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इसमें हम लोग भी सम्मिलित होकर गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने वर वधुओं एवं उनके परिजनों को संबोधित करते हुए कहा कि यह सौभाग्य की बात है कि इस सामूहिक शादी का कार्ड जिले के डीएम ने बांटे और शादी कार्यक्रम में हम सब शामिल हो रहे हैं। हर हालत में बेटियों की सुरक्षा सरकार की जिम्मेदारी है। सीएम ने कहा कि इज्जत घर के रूप में शौचालय, उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना आदि नारी के सम्मान एवं उनके गौरव का प्रतीक बना। देश में 10 करोड़ लोगों को इस योजना से लाभान्वित कराया गया। जिसमें उत्तर प्रदेश के लगभग 2 करोड़ लोगों को लाभ पहुंचाया गया। महिला एवं सहायता समूह के माध्यम से तीन करोड़ दीदीयों को लखपति बनाने की योजना भी उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में किया गया। आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत 70 वर्ष से अधिक उम्र की वह महिला या पुरुष हो, किसी जाति, धर्म, मजहब की हो, उसे प्रत्येक वर्ष 05 लाख रुपये का निःशुल्क मेडिकल सुविधा मिले, इसका प्रारंभ हो गया है। मुख्यमंत्री ने प्रतीकात्मक रूप से साधना-अभिषेक, पूनम-अजय, प्रियाकुमारी, ज्योति-कृष्ण दत्त, अनिशा- राहुल, सविता पटेल-कुलदीप व वंदना धर्मराज जोड़ो को उपहार दिए। सामूहिक विवाह कार्यक्रम में स्टांप एवं न्यायालय पंजीयन शुल्क राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविन्द्र जायसवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या, एमएलसी धर्मेंद्र राय, एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा, विधायक सौरभ श्रीवास्तव, विधायक डॉ. अवधेश सिंह, विधायक सुनील पटेल, विधायक टी राम, विधायक सुशील सिंह, पूर्व सांसद डॉ बी.पी. सरोज के अलावा कमिश्नर कौशल राज शर्मा, पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल, जिलाधिकारी एस. राजलिंगम, मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु नागपाल आदि लोग प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

डा. भीम राव अम्बेडकर का मनाया गया महापरिनिर्वाण दिवस

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नगरपालिका परिषद कुशीनगर अंतर्गत केश्वर इंटर कालेज बनवारी टोला में भारत रत्न व संविधान निमार्ता डा. भीम राव अम्बेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर उनके चित्र पर पुष्पार्चन कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। आयोजित कार्यक्रम में प्रधानाचार्य पुरन्दर प्रताप यादव ने कहा कहा कि बाबा साहब शोषित समाज के मसीहा थे। उन्होंने सबको स्वतंत्रता, बंधुता, न्याय, शिक्षा, काम, भोजन का अधिकार दिया। बाबा साहब के बताए मार्ग पर चलकर ही विकसित भारत का निर्माण होगा। बच्चों में स्वागत गीत व राष्ट्र गीत प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रभारी देवेन्द्र प्रताप यादव, कन्हैया वर्मा, अमरजीत यादव, कमलेश भारती, जय सिंह प्रसाद, गिरिधर गोपाल, अम्बालिका, शशिमा पटेल, मुन्नी देवी सहित बच्चे मौजूद रहे।

ज्ञान यज्ञ में गायत्री मंत्र की महिमा का हुआ बखान

संवाददाता

कुशीनगर। फाजिलनगर नगर पंचायत के जूनियर हाई स्कूल प्रांगण में आयोजित चार दिवसीय 108 कुण्डीय नारी शक्ति संवर्धन गायत्री महायज्ञ के पहले दिन शांति कुंज हरिद्वार से आए परिव्राजक सुनील शर्मा ने सायं काल ज्ञान यज्ञ में गायत्री यज्ञ का महात्म्य बताते हुए इसकी आध्यात्मिक महत्ता पर प्रकाश डाला। कहा कि गायत्री यज्ञ वेदों में वर्णित एक पवित्र और प्रभावशाली अनुष्ठान है। जो भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक परंपरा में विशेष स्थान रखता है। गायत्री मंत्र को संजीवनी शक्ति कहा गया है। जिसका जप और यज्ञ करने से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा, शुद्धता और दिव्यता का संचार होता है। यह मानसिक और आत्मिक शुद्धि प्रदान करता है, मन की चंचलता दूर करता है, और आत्मा को शांति देता है। यज्ञ की अग्नि और मंत्रों के उच्चारण से नकारात्मक विचार नष्ट होते हैं, और व्यक्ति में धर्म व सत्य की भावना का विकास होता है, जिससे ईश्वर के प्रति समर्पण और भक्ति बढ़ती है। यह आयोजन नारी शक्ति के महत्व और मानव जीवन में आध्यात्मिकता को केंद्र में रखकर किया गया है। ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ भाजपा के वरिष्ठ नेता बैरिस्टर जायसवाल ने पूजन के साथ किया। जिला संयोजक डा. डीएस तिवारी और शांतिकुंज हरिद्वार से आई टोली के सदस्य रामप्रताप, रामबीर नेगी, दिलथिर, विवेक प्रताप सिंह के अलावे अवकाश प्राप्त सार्जेंट अभिमन्यु पांडेय, शिवशंकर सिंह, त्रिवेणी सिंह, डा. राम एकबाल कुशवाहा, डा. हीरालाल श्रीवास्तव , नरेन्द्र मिश्र, कन्हैयालाल स्वर्णकार, राम ग्रहण सिंह, नीतीन बरनवाल, मुन्ना सिंह, आमोद उपाध्याय, नंदलाल विद्रोही, नन्हे राय सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। महिलाओं में द्रोपदी देवी, राजपति देवी, निर्मला देवी, उर्मिला देवी, सिम्पल उपाध्याय, कंचन उपाध्याय और सिंधु बरनवाल रही।

यूपी में 2500 मस्जिद-मंदिर से

लाउडस्पीकर उतारवाए

कानपुर में मौलाना ने कहा- नोटिस नहीं, मानक वाले भी हटाए

कानपुर। यूपी में पिछले 24 घंटे में लाउडस्पीकर पर बड़ा अभियान चला। 2500 से ज्यादा मंदिर-मस्जिदों से लाउडस्पीकर उतारे गए। कानपुर, लखनऊ, गोरखपुर, संतकबीरनगर और आजमगढ़ से लाउडस्पीकर उतारने के विजुअल सामने आए। पीलीभीत में मौलाना ने खुद स्पीकर उतार दिए। वहीं, कानपुर में मौलाना ने नाराजगी जाहिर की है। अलग-अलग जिलों में गुरुवार सुबह 4 बजे से पुलिस एक्टिव हुई, मंदिर और मस्जिदों पर बिना अनुमति चलते मिले लाउडस्पीकर को उतरवाया गया। इसकी मॉनिटरिंग लखनऊ डीजीपी ऑफिस से हो रही है। दरअसल, बुधवार शाम को सीएम योगी ने एक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की। इसमें यूपी के सभी पुलिस अफसरों को सर्च ऑपरेशन चलाने के निर्देश हुए कि मानक से इतर, कहां-कहां लाउडस्पीकार बजाए जा रहे हैं। इसके लिए मंदिर के पंडित और मस्जिद के मौलवियों से बातचीत करने और सिस्टम को उतरवाने के लिए कहा गया। इसके बाद ही पुलिस एक्टिव हो गई। चूंकि अभियान जारी है, ऐसे में मस्जिदों की जांच और लाउडस्पीकरों पर कार्रवाई का डेटा अभी और बढ़ेगा। कानपुर पुलिस ने 6 दिसंबर के अलर्ट को देखते हुए 24 घंटे के भीतर 54 लाउडस्पीकर उतराए। इस पर मौलानाओं और उलेमाओं ने नाराजगी भी जताई। उनका कहना है कि मानक के मुताबिक मस्जिदों में लगे लाउडस्पीकर को भी उतरवा दिया गया। इतना ही नहीं कोई नोटिस भी नहीं दिया गया है। इनका इस्तेमाल दिन में पांच बार पांच-पांच मिनट से भी कम समय के लिए होता है, इसके बावजूद कार्रवाई की जा रही है। वहीं, दूसरी तरफ शहर काजी हाफिज अब्दुल कुद्दूस हादी ने पुलिस कमिश्नर से भेंट की। उन्होंने कहा कि पहले भी पुलिस ने जब अभियान चलाया था तो सभी जगह मानक के अनुरूप करा दिया गया था। लाउडस्पीकर यदि मानक के अनुरूप हैं तो इसे न उतरवाया जाए। पीलीभीत में पुलिस ने लाउडस्पीकर उतरवाने का अभियान चलाया। जिसके तहत 133 धार्मिक स्थलों पर लगे तेज आवाज वाले लाउडस्पीकरों पर एक्शन लिया गया। पुलिस की तरफ से एक वीडियो ऐसा भी जारी हुआ, जिसमें मौलाना खुद ही सिस्टम उतार रहे हैं। अलग-अलग धार्मिक स्थलों पर भविष्य में नियमों को मानने के लिए कहा गया। धार्मिक व सार्वजनिक स्थलों से लाउडस्पीकरऔर ध्वनि विस्तार हटाने के लिए गुरुवार को विशेष अभियान चलाया गया। डीएम कृष्णा करुणेश और एसएसपी डा. गौरव ग्रोवर की अगुवाई में चले अभियान के दौरान अधिकारियों ने जिले के सभी थाना क्षेत्रों का दौरा किया और धार्मिक एवं सार्वजनिक स्थलों पर लगे अवैध लाउडस्पीकरों की जांच की।

संविधान निमार्ता बाबा साहब अम्बेडकर को रालोद ने दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

कुशीनगर। राष्ट्रीय लोकदल जिला कार्यालय पड़रौना में भारत रत्न व संविधान निमार्ता डा. भीम राव अम्बेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर उनके चित्र पर पुष्पार्चन कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय राज्यमंत्री जयंत चौधरी के निर्देश पर प्रदेश में आयोजित अम्बेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस मनाने के क्रम में पड़रौना में आयोजित कार्यक्रम में रालोद जिलाध्यक्ष विनोद प्रताप कुंवर ने कहा कि बाबा साहब डॉ अम्बेडर आजीवन दलितों, पिछड़ों और शोषित समाज के हक व सम्मान के लिए संघर्ष करते रहे। उन्होंने समता मुलक समाज की परिकल्पना को साकार करने के लिए संविधान की रचना की। वह संविधान सभा के प्राक्कलन सामिति के अध्यक्ष थे और देश को विश्व का अनूठा संविधान देश को दिया। उन्होंने सबको स्वतंत्रता, बंधुता, न्याय, शिक्षा, काम, भोजन का अधिकार दिया। बाबा साहब के बताए मार्ग पर चलकर ही विकसित भारत का निर्माण होगा। बच्चों में स्वागत गीत व राष्ट्र गीत प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रभारी देवेन्द्र प्रताप यादव, कन्हैया वर्मा, अमरजीत यादव, कमलेश भारती, जय सिंह प्रसाद, गिरिधर गोपाल, अम्बालिका, शशिमा पटेल, मुन्नी देवी सहित बच्चे मौजूद रहे। इस अवसर पर प्रदेश महासचिव सीता राम मौर्या, हरी कसेरा, राजेश शाही, विन्देश्वरी निगम सहित भारी संख्या में पार्टी के लोग मौजूद रहे।

30 दिन में हुई पांच हजार शादियां, 1500 करोड़ की हुई धनवर्षा

वाराणसी। सहालग से वेडिंग कारोबार की बल्ले-बल्ले है। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक पिछले 30 दिन में पांच हजार शादियों में 1500 करोड़ का कारोबार हुआ। मैरिज लॉन, होटल-बैंक्वेट हॉल, कैटरिंग, ट्रवेल्स, ऑटोमोबाइल्स, फर्नीचर, सराफा, रेडिमेड कपड़े और साड़ी से लेकर इवेंट तक के बाजार में खूब धनवर्षा हुई। मई-जून में कम लग्न से ठंडे पड़े कारोबार में नवंबर-दिसंबर की लग्न ने जान डाल दी। 12 नवंबर से ही वैवाहिक सीजन शुरू है। शुभ मुहूर्त 14 दिसंबर तक है। इस बीच पिछले एक माह से शहर के मैरिज लॉन, बैंक्वेंट हॉल और बड़े होटलों और ग्रामीण क्षेत्रों में शादियां चल रही हैं। लगभग पांच हजार शादियां इस लग्न में हैं। कारोबारियों के अनुसार सहालग में 1500 करोड़ का कारोबार हुआ। महानगर उद्योग व्यापार समिति के संरक्षक और कपड़ा कारोबारी श्रीनारायण खेमका ने बताया कि शादियों का ट्रेंड बदलता जा रहा है। हल्दी, मेंहदी, शादी, रिसेप्शन, इंगेजमेंट में अलग-अलग पोशाक चल रहा है। औसतन मध्यम वर्गीय परिवार में कम से कम चार से पांच लाख रुपये सिर्फ कपड़ों पर खर्च होते हैं। इस बार के लग्न में सिर्फ वाराणसी में 500 करोड़ रुपये का कारोबार रेडिमेड कपड़ों और साड़ियों का हुआ है। कुछ ऐसे भी शहर में शोरूम है, जिनकी एक दिन की बिक्री आठ से 10 लाख रुपये की हो रही है। वाराणसी मैरिज व्यापार मंडल के उपाध्यक्ष मृत्युंजय सोनकर ने बताया कि जिले भर में 800 मैरिज लॉन और 200 बैंक्वेट हॉल, 1000 से अधिक छोटे-बड़े होटल हैं। इस लग्न में सभी के यहां बुकिंग बहुत अच्छी है। औसतन एक लॉन दो लाख रुपये में बुक होते हैं। 70 फीसदी लॉन दो लाख रुपये के अंदर में बुक होते हैं। इस आधार पर देखें तो 5000 शादियों में सिर्फ लॉन, होटल और बैंक्वेट हाल वालों ने 100 करोड़ का कारोबार किया। उत्तर प्रदेश स्वर्णकार संघ के प्रदेश अध्यक्ष सत्यनारायण सेठ ने बताया कि मध्यम वर्गीय परिवार की एक शादी में कम से कम वर-वधु दोनों का मिलाकर 10 लाख रुपये आभूषण पर खर्च होते हैं।

संक्षिप्त डायरी

वरिष्ठ अधिवक्ता के निधन पर शोक

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। दीवानी एवं सत्र न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता गिरीश नारायण राय के निधन पर अधिवक्ताओं व विशिष्ट जनों ने शोक प्रकट किया है। वरिष्ठ अधिवक्ता श्री राय मूलतः ग्राम विशुनपुर बरियापट्टी टोला रिसालपट्टी पोस्ट दुधई जिला कुशीनगर के निवासी थे। अपने वकालत के शुरूआती जीवन के समय में जब देवरिया जिला हुआ करता था तब देवरिया से वकालत शुरू किया और देवरिया, कसया और पडरौना में वकालत किए। उनका निधन इलाज के दौरान 4 दिसम्बर को लखनऊ एक अस्पताल में हो गया। निधन पर कसया सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन कुशीनगर अध्यक्ष बार संघ के अध्यक्ष अरविंद कुमार पाठक, बार संघ महामन्त्री ज्ञान प्रकाश द्विवेदी, एखलाक अहमद लारी, आलोक श्रीवास्तव, पूर्व अध्यक्ष ओमप्रकाश पाण्डेय, बद्री नारायण दूबे, रघुनाथ यादव, रविन्द्र मणि, अवधेश पाण्डेय, जलज सिंह, मनोज पाण्डेय, रमेश वर्मा, अम्बरीष चौबे, शिव शंकर यादव, दिव्य प्रकाश मणि, अरविंद शर्मा, चन्द्र शेखर शुक्ला, राकेश तिवारी, ओंकार पाण्डेय आदि अधिवक्ताओं सहित आदि ने शोक व्यक्त किया है। उनके पुत्र अमरेंद्र राय दिल्ली में अध्यापक, सतेंद्र राय ऑस्ट्रेलिया में इंजीनियर और विजेंद्र राय मुम्बई में अधिवक्ता हैं।

प्रतियोगिता से निखरती है बच्चों में छिपी प्रतिभा: ओमप्रकाश जायसवाल

संवाददाता

कुशीनगर। वीर अब्दुल हमीद नगर रामकोला रोड स्थित बुद्ध विद्या विहार परिसर में आयोजित सुलेख प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि भाजपा नेता व समाजसेवी ओमप्रकाश जायसवाल ने प्रथम आए हुए बच्चों को मेडल एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। शनिवार को आयोजित सुलेख प्रतियोगिता को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री जायसवाल ने कहा कि सुलेख प्रतियोगिता कराने से बच्चों के अंदर छिपी प्रतिभा निखरती है एवं उनकी मनोभावनाएं विकसित होती है। सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए प्रधानाचार्य वीरेंद्र सिंह ने कहा कि सुलेख प्रतियोगिता हमेशा कराया जाता है तथा प्रतिदिन श्रुतलेख लिखवाया जाता है कि बच्चों की हस्तलेखनसुंदर एवं अच्छी हो जाए। इसी तरह शारीरिक एवं मानसिक स्तर की भी प्रतियोगिता कराई जाती हैं। सुलेख प्रतियोगिता में प्रथम दुर्गेश गुप्ता, द्वितीय कुनाल गुप्ता, तृतीय निकेश गुप्ता को ट्रॉफी तथा अन्य 15 बच्चों को मेडल देकर सम्मानित किया तथा नर्सरी एलकेजी यूकेजीके बच्चों को फुटबॉल तथा अन्य खेल सामग्री वितरण किया गया। इस अवसर पर दीवानी न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्त केदार राय, सत्र न्यायालय के अधिवक्ता गौरव सिंह, अधिवक्ता दिनेश सिंह, अनिल जयसवाल, अध्यापक विशाल, आराधना, रिंकी, रवि सहित बच्चे उपस्थित रहे।

मुस्करा पुलिस ने दो किलो सौ ग्राम अवैध गांजे के साथ शातिर अभियुक्त को किया गिरफ्तार

संवाददाता

हमीरपुर । उत्तर प्रदेश के हमीरपुर की मुस्करा पुलिस ने अपराधियों की धरपकड़ के लिये चलाये जा रहे अभियान के तहत आधा दर्जन मामलों में अलग थानों में नामजद अभियुक्त को थाना क्षेत्र के मसगांव नहर के पास से दो किलो सौ ग्राम अवैध गांजे के साथ 30 वर्षीय रामशंकर पुत्र उदयभान निवासी इलाही तालाब थाना मौदहा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, जबकि इस मामले में अभियुक्त के खिलाफ मुस्करा पुलिस ने मु०अ०सं० 262/2024 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में खासतौर से एस आईमानवेन्द्र सिंह, हेडकांस्टेबल नरेन्द्र सिंह सहित कांस्टेबल प्रदीप कुमार शर्मा मौजूद रहे।

लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों का हंगामा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में सेमेस्टर एग्जाम का टाइम बदलने से छात्र हंगामा कर रहे हैं। शनिवार दोपहर बड़ी संख्या में स्टूडेंट प्रशासनिक भवन पहुंचे। यहां एग्जाम पैटर्न और समय बदलने की मांग करते हुए वीसी के खिलाफ नारे लगाए। इस दौरान प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सदस्यों से छात्रों की बहस हो गई। छात्रों का कहना है कि विश्वविद्यालय प्रशासन एग्जाम के 10 दिन पहले पैटर्न बदल दिया। इस बदलाव के लिए छात्र मानसिक रूप से तैयार नहीं हैं। पैटर्न में बदलाव को लेकर सेमेस्टर के शुरूआत में सूचना जारी करनी थी। कई स्टूडेंट हैं जो काफी दूर से आते हैं। सुबह ठंड ज्यादा होने के कारण सुबह 8 बजे परीक्षा सेंटर पहुंचना मुश्किल है। छात्रों ने कहा- विश्वविद्यालय प्रशासन है कि वह स्टूडेंट के हित में काम करें। इस बदलाव का असर हजारों छात्रों पर पड़ रहा है। उनके लिए ये परेशानी है। ऐसे में परीक्षा नियंत्रक को फैसला वापस लेना चाहिए। प्रदर्शन कर रहे छात्र राणा सुधांशु ने बताया कि पहले 9 से 12 की टाइमिंग में 3 घंटे का पेपर होता था। अचानक इसे सुबह 8 बजे से कर दिया गया। पेपर का ड्यूरेशन अब महज 2 घंटे का रखा गया है। ये सभी डिसीजन मनमाने तरीके से लिए गए हैं। पेपर पैटर्न में बदलाव करना था तो समय रहते इन्फॉर्म करना चाहिए था। स्टूडेंट्स ने नारेबाजी करते हुए परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी को ज्ञापन भी सौंपा। कहा- यदि स्टूडेंट्स की मांगे नहीं मानी जाती तो बड़ा प्रदर्शन होगा।

अल्लू अर्जुन ने रेवती की मौत पर दुख जताया और कहा- परिवार की हर संभव मदद करुंगा

-महिला के परिवार से मिलने और 25 लाख का मुआबजा देने की कही बात

मुंबई। हैदराबाद के संध्या थिएटर में पुष्पा 2 की स्क्रीनिंग के दौरान भगदड़ मचने से एक महिला की जान चली गई और एक बच्चा बेहोश हो गया। इस मामले में अल्लू अर्जुन, उनकी सुरक्षा एजेंसी और थिएटर के खिलाफ केस दर्ज हुआ था। अब मामले पर अल्लू अर्जुन ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने वीडियो शेयर कर जान गंवाने वाली महिला रेवती की मौत पर दुख जताया है। साथ ही अभिनेता ने इलाज का खर्च उठाने की भी जिम्मेदारी ली है। वीडियो में वह कह रहे हैं कि महिला के परिवार से मैं खुद जाकर मिलूंगा। अल्लू ने कहा कि इस मुश्किल घड़ी में महिला के परिवार वाले अकेले नहीं हैं। वह उनके साथ खड़े हैं। अल्लू अर्जुन ने कहा है कि उन लोगों के लिए उनसे जो कुछ भी हो पाएगा, वह करुंगा। अल्लू ने कहा कि वह मृत महिला के परिवार को 25 लाख का मुआवजा दूंगा। साथ ही इलाज और दवाइयों का सारा खर्च उठाएंगे। मृत महिला के पति मोगादमपल्ली भास्कर ने बातचीत में अल्लू को मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया। भास्कर ने कहा कि अगर अल्लू और उनकी टीम बताकर थिएटर आते तब न तब उसकी पत्नी की मौत होती और ना ही बेटे की ऐसी हालत होती। भास्कर ने बताया कि बेटे की जिद के कारण वह फिल्म देखने गया था क्योंकि वह अल्लू अर्जुन का फैन है।

जम्मू-कश्मीर के स्कूलों में सर्दियों की छुट्टियों का हुआ ऐलान

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर में शीतकालीन छुट्टियों का ऐलान किया गया है। स्कूल शिक्षा विभाग ने कश्मीर संभाग के शीतकालीन जोनों में क्रमशः 10 और 16 दिसंबर से चरणबद्ध तरीके से शीतकालीन अवकाश की घोषणा की है। स्कूल शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव सुरेश कुमार गुप्ता के अनुसार आदेश में कहा गया है कि 5वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए छुट्टियां 10 दिसंबर से 28 फरवरी तक और 6वीं कक्षा से 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए छुट्टियां 16 दिसंबर से 28 फरवरी तक रहेंगी। गुप्ता ने आदेश दिया कि सरकारी हाई और हायर सेकेंडरी स्कूलों के शिक्षण स्टाफ 10वीं, 11वीं और 12वीं कक्षाओं की आगामी बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी के लिए 10 फरवरी, 2025 से संबंधित मुख्यालयों पर उपलब्ध रहेगा। उन्होंने कहा कि सभी शिक्षक छुट्टियों के दौरान छात्रों को ऑनलाइन मार्गदर्शन देते रहे।

बाबरी मस्जिद विध्वंस पर गव.. उद्धव के करीबी की पोस्ट, एमवीए से बाहर हुई सपा

मुंबई । समाजवादी पार्टी (सपा) ने महा विकास अघाड़ी (एमवीए) से अलग होने की घोषणा कर दी है। यह निर्णय शिवसेना (यूबीटी) के नेता और उद्धव ठाकरे के करीबी मिलिंद नार्वेकर द्वारा बाबरी मस्जिद विध्वंस का समर्थन कर पोस्ट के बाद आया है। दरअसल नार्वेकर ने सोशल मीडिया पर बाबरी मस्जिद विध्वंस की एक तस्वीर साझा की। पोस्ट में शिवसेना संस्थापक बाल ठाकरे का कथन भी शामिल था, जिसमें उन्होंने कहा था, मुझे उन लोगों पर गर्व है जिन्होंने ऐसा किया। इस पोस्ट के साथ उद्धव और आदित्य ठाकरे की तस्वीरें भी थीं। इसके अलावा, शिवसेना (यूबीटी) ने एक समाचार पत्र में विज्ञापन दिया था, जिसमें बाबरी विध्वंस की तारीफ की गई थी। इसके बाद महाराष्ट्र सपा अध्यक्ष अबू आजमी ने कड़ा विरोध जताकर कहा कि अगर एमवीए में ऐसी भाषा इस्तेमाल होती है, तब भाजपा और उनमें क्या फर्क है? हमें इसतरह के गठबंधन में क्यों रहना चाहिए? उन्होंने कहा कि वे इस मुद्दे पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से चर्चा कर रहे हैं और एमवीए से अलग होने का फैसला पक्का है। वहीं एमवीए में शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस, और एनसीपी का शरद पवार गुट शामिल है। सपा का यह कदम एमवीए के लिए बड़ा झटका साबित हो सकता है, खासकर उस समय में जब महाराष्ट्र की राजनीति पहले से ही कई आंतरिक विवादों और भाजपा के दबदबे के कारण मुश्किल दौर से गुजर रही है।

पूजा सिंघल को ईडी कोर्ट से बड़ी राहत... 28 माह बाद जेल से आएंगी बाहर

रांची । झारखंड की निलंबित आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल को ईडी कोर्ट ने बड़ी राहत देकर जमानत दे दी है। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 11 मई 2022 को गिरफ्तारी के बाद से वे 28 माह से जेल में थीं। कोर्ट ने उन्हें दो लाख रुपये के निजी मुचलके पर जमानत दी है। साथ ही पूजा को अपना पासपोर्ट जमा करने का भी आदेश दिया गया है। पूजा सिंघल का मामला- पूजा सिंघल झारखंड कैडर की चर्चित आईएएस अधिकारी हैं। वह झारखंड राज्य खनिज विकास निगम (जेएसएमडीसी) की चेयरमैन और उद्योग व खान सचिव के रूप में काम कर चुकी हैं। उन्हें मनी लॉन्ड्रिंग और मनरेगा घोटाले से जुड़े आरोपों के चलते ईडी ने गिरफ्तार किया था। आरोप है कि खूंटी में डीसी रहते हुए उन्होंने घोटाले में अपनी भूमिका निभाई।

क्या है मनरेगा घोटाला?

यह मामला झारखंड के खूंटी जिले में मनरेगा फंड में कथित अनियमितताओं से जुड़ा है। 2009-2010 के दौरान, जब पूजा खूंटी में उपायुक्त थीं, घोटाले के आरोप लगे। ईडी ने मामले की जांच के दौरान बड़े पैमाने पर वित्तीय गड़बड़ियों का खुलासा किया। आरोप है कि पूजा और उनके करीबी सहयोगियों के द्वारा धन का दुरुपयोग किया गया।

दिल्ली हवाई अड्डे पर 73 लाख रुपये मूल्य का सोना बरामद, आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर शुक्रवार को सीमा शुल्क विभाग ने 73 लाख रुपये का विदेशी सोना बरामद किया और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। आरोपी इंदौर से दिल्ली आ रहा था। सीमा शुल्क विभाग के मुताबिक, आरोपी के सामान की जांच के दौरान संदिग्ध वस्तुएं मिली, जिसमें पीली धातु के 13 टुकड़े थे।

शाही इमाम बुखारी की पीएम मोदी से अपील, मुस्लिम समुदाय के साथ संवाद स्थापित करें

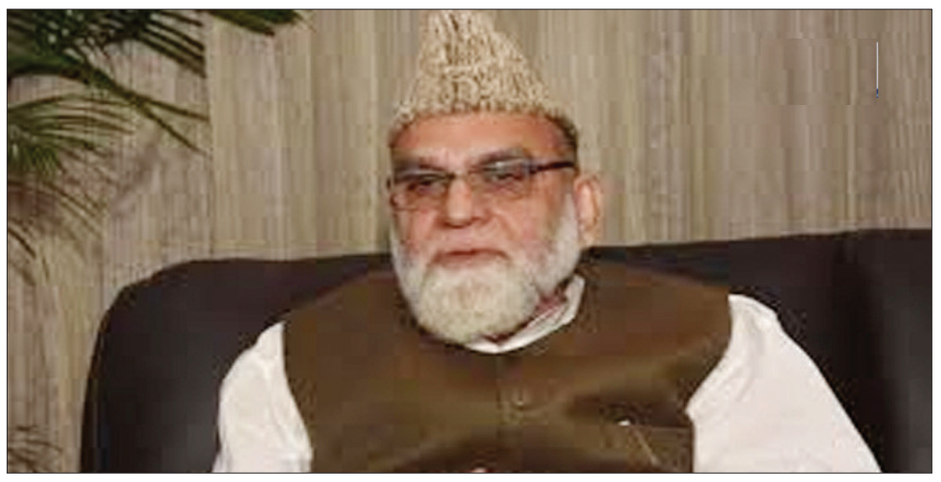

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की ऐतिहासिक जामा मस्जिद के शाही इमाम सैयद अहमद बुखारी ने नमाज के दौरान देश में बढ़ते सांप्रदायिक तनाव पर चिंता जाहिर की। इस दौरान बुखारी भावुक हो गए। उन्होंने नम आंखों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुस्लिम समुदाय के साथ संवाद स्थापित करने की बात की। उन्होंने कहा, हम 1947 से भी बदतर स्थिति में खड़े हैं। किसी को नहीं पता कि देश भविष्य में किस दिशा में जाएगा।

बुखारी ने प्रधानमंत्री मोदी से तत्काल मुद्दे पर संज्ञान लेने की मांग की। उन्होंने सुझाव दिया कि तीन हिंदुओं और तीन मुसलमानों को बुलाकर चर्चा करे। उन्होंने कहा, आप उस कुर्सी के साथ न्याय कीजिए जिस पर आप बैठे हैं। मुसलमानों का दिल जीतिए। उन उपद्रवियों को रोकिए जो देश का माहौल बिगाड़ने का काम कर रहे हैं।

उन्होंने मुस्लिम युवाओं से धैर्य बनाकर रखने का अनुरोध कर कहा कि कोई भी कदम सोच-समझकर उठाएं। यह अपील उत्तर प्रदेश के संभल में 24 नवंबर को हुई हिंसक झड़पों के बाद आई है।

बता दें कि 19 नवंबर को कोर्ट के आदेश पर मस्जिद का सर्वेक्षण हुआ। एक याचिका में दावा किया गया था कि इस स्थल पर पहले एक हरिहर मंदिर था। इसके बाद से संभल में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। बुखारी ने कहा, एएसआई (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) ने हमें बताया है कि दिल्ली जामा मस्जिद का सर्वेक्षण करने का कोई इरादा नहीं है, लेकिन मोदी सरकार को संभल, अजमेर और अन्य जगहों पर हो रहे सर्वेक्षणों पर गंभीरता से सोचना चाहिए। ये चीजें देश के लिए अच्छी नहीं हैं। हाल ही में राजस्थान की अदालत में याचिका दायर की गई है जिसमें दावा किया गया है, कि अजमेर शरीफ दरगाह शिव मंदिर पर बनी है। इस याचिका को स्वीकार कर अजमेर की अदालत ने एएसआई, अजमेर दरगाह कमेटी और अल्पसंख्यक मामलों के केंद्रीय मंत्रालय को नोटिस जारी किया है।

बांग्लादेश मामले पर मायावती का बड़ा हमला, सिर्फ मुस्लिम वोटों की खातिर चुप हैं कांग्रेस

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने बांग्लादेश में हिंदू दलितों के खिलाफ हो रहे अत्याचारों पर चिंता जाहिर की है। उन्होंने आरोप लगाया कि बांग्लादेश में विशेष रूप से दलित और कमजोर वर्ग के हिंदूओं को निशाना बनाया जा रहा हैं, और कांग्रेस पार्टी इस मुद्दे पर चुप साधे हुए है। मायावती ने आरोप लगाया कि कांग्रेस केवल मुस्लिम वोटों के खातिर ऐसा कर रही है, जबकि बांग्लादेशी हिंदुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचारों पर उन्हें आवाज उठानी चाहिए थी। मायावती ने कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और उनके समर्थकों को एक ही सिक्के के दो पहलू बताकर कहा कि इन दलों ने देश के सामाजिक और राजनीतिक ढांचे को नुकसान पहुंचाने का काम किया है। उन्होंने मोदी सरकार से अपील कर कहा कि वह अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए बांग्लादेशी दलितों के अधिकारों की रक्षा करें और उन्हें भारत में लाने के लिए उचित कदम उठाए। इस बीच, बीजेपी विधायक नितेश राणे ने 10 दिसंबर को महाराष्ट्र में हिंदू रैली आयोजित करने का ऐलान कर दिया है। उनका कहना था कि इस रैली का उद्देश्य बांग्लादेशी हिंदुओं को यह संदेश देना है कि वे अकेले नहीं हैं और भारत के हिंदू उनके समर्थन में खड़े हैं। राणे ने कहा, हम हिंदू बनकर सड़कों पर उतरकर और अपनी ताकत दिखाएंगे। यह रैली बांग्लादेशी हिंदुओं को अत्याचार के खिलाफ हमारा समर्थन दिखाने के लिए है।

बारिश के आसार, दिल्ली समेत आस-पास क्षेत्रों में बढ़ेगी ठंड

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। राजधानी दिल्ली में सर्दियों की पहली बारिश का इंतजार अब खत्म होने जा रहा है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, 8 दिसंबर को हल्की बारिश की संभावना है, जिससे ठंड में इजाफा होगा। बारिश के बाद न्यूनतम तापमान गिरकर 6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। दिन के तापमान में भी 2-3 डिग्री की गिरावट देखने को मिल सकती है।

भारतीय मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार को राजधानी का अधिकतम तापमान 25.1 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य है, जबकि न्यूनतम तापमान 8.5 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से एक डिग्री कम रहा है। हवा में नमी का स्तर 32 से 90 प्रतिशत तक रहा। शनिवार को सुबह के समय स्मॉग छाने के साथ ही 8 दिसंबर को संभावित बारिश के बाद 9 दिसंबर से मौसम साफ होने की संभावना है, जिससे ठंड बढ़ने लगेगी। अनुमान है कि 9 दिसंबर को न्यूनतम तापमान 7 डिग्री तक गिर सकता है, जबकि अधिकतम तापमान 23 डिग्री रहने की उम्मीद है। 10 और 11 दिसंबर को न्यूनतम तापमान 6 डिग्री और अधिकतम 23-24 डिग्री के बीच रह सकता है।

यहां बताते चलें कि इस सीजन में कोहरा छाना जल्दी शुरू हुआ है। नवंबर में 17 से 20 तारीख तक घना कोहरा देखा गया था, जबकि 8 से 11 दिसंबर तक मध्यम कोहरे की संभावना व्यक्त की गई है। विजिबिलिटी कम होने से लोगों को परेशानी हो सकती है। दिसंबर और जनवरी में भी कोहरे के कई स्पेल देखने को मिल सकते हैं। बहरहाल बारिश होने पर दिल्ली समेत आस-पास के इलाकों में ठंड बढ़ने के आसार हैं।

महाराष्ट्र में नया गेमः अजित पवार ने दिखाया पावर गेम, शरद पवार को लग सकता है झटका

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में अब बीएमसी चुनाव को लेकर राजनैतिक दल कमर कसने लगे हैं। यहां अभी से अपने अपने दांव लगाने के लिए अपनी जमीन तैयार करने में लगे हैं। चर्चा शुरू हो गई है कि जलगांव के पूर्व संरक्षक मंत्री और शरद पवार के करीबी नेता गुलाबराव देवकर शरद पवार समूह छोड़ने की कगार पर हैं। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि गुलाबराव देवकर अजित पवार के गुट में जा रहे हैं। शरद पवार गुट के नेता पूर्व संरक्षक मंत्री गुलाबराव देवकर ने जानकारी दी है कि एनसीपी अजित पवार गुट जल्द ही एनसीपी अजित पवार गुट में शामिल होगा। गुलाबराव देवकर ने प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे से मुलाकात की। इस मुलाकात में क्या चर्चा हुई इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। हालांकि इस मुलाकात के बाद चर्चा है कि वह शरद पवार गुट छोड़ने वाले हैं।

इसलिए आगामी स्थानीय स्वशासन चुनाव से पहले इसे एनसीपी शरद पवार गुट के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। वहीं अगर ऐसा होता है तो उत्तर महाराष्ट्र में अजित पवार के गुट की ताकत बढ़ेगी। विधानसभा चुनाव में जलगांव ग्रामीण सीट पर गुलाबराव पाटिल और गुलाबराव देवकर के बीच कड़ी टक्कर थी। गुलबाराव पाटिल ने जलगांव ग्रामीण सीट से लगातार दूसरी बार बड़े वोटों के अंतर से जीत हासिल की है। 2019 के विधानसभा चुनाव में गुलाबराव रघुनाथ पाटिल ने भी जीत हासिल की। 2024 के चुनाव में दोनों गुलाबरावों के बीच कांटे की टक्कर थी। लेकिन गुलाबराव पाटिल लगातार दूसरी बार भारी मतों के अंतर से जीते।

जबकि बता दें कि यहां विधानसभा चुनाव हो भी गया और देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री भी बन गए, लेकिन बीएमसी चुनाव अभी बाकी है और इसके लिए खेल भी शुरू हो गया है। महायुति को राज्य में खूब वोट मिले। 5 दिसंबर को महागठबंधन में देवेंद्र फड़णवीस ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। एकनाथ शिंदे और अजित पवार ने उप मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। अब राज्य में तीन दिवसीय सम्मेलन होगा। इस विधानसभा चुनाव के बाद निर्वाचित 288 उम्मीदवारों को प्रोटेम स्पीकर कालिदास कोलमकर शपथ दिलाएंगे।

छात्रों पर लाठीचार्ज, नीतिश सरकार की बर्बरतापूर्ण कार्रवाई : तेजस्वी यादव

पटना । बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने नॉर्मलाइजेशन के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज करने को प्रशासन की बर्बरतापूर्ण कार्रवाई बताकर निंदा की है। उन्होंने कहा कि पटना में बीपीएससी अभ्यर्थियों पर बर्बरतापूर्ण लाठीचार्ज हुआ है, जो भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी)-नीतीश सरकार के अहंकार और तानाशाही का प्रतीक है। तेजस्वी ने कहा कि मुख्यमंत्री 225 करोड़ की तथाकथित दिखावटी 'संवाद यात्रा पर निकलने से पहले यह जवाब दें कि क्या बिहार के वर्तमान व भविष्य, बिहार के छात्रों से संवाद स्थापित करना उनके एवं उनकी सरकार के लिए कठिन है? क्या आयोग द्वारा स्पष्टीकरण देना उनकी शान के खिलाफ है? क्या सर्वर की खामी को स्वीकारते हुए फॉर्म भरने के मौका को पुन- उपलब्ध करवाना असंभव है? नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी ने कहा कि क्या पेपरलीक एवं कदाचार मुक्त परीक्षा की मांग करना अनुचित है? आयोग व बिहार की नीतिश सरकार के रुख को देख क्या अभ्यर्थी यह मान लें कि यह परीक्षा औपचारिकता मात्र रह गई है। बता दें कि बिहार लोक सेवा अयोग (बीपीएससी) की 70वीं सिविल सेवा परीक्षा में नॉर्मलाइजेशन के विरोध में बीपीएससी कार्यालय के बाहर हजारों की संख्या में प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया।

दिल्ली के शीर्ष पद पर वैंकेसी नहीं, इसलिए इंडिया गठबंधन के शीर्ष पर पहुंचने की कोशिश

*** ममता बनर्जी के बयान पर भाजपा नेता नकवी का तंज**

नई दिल्ली (एजेंसी)। विपक्षी महागठबंधन इंडिया ब्लॉक को लेकर पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी के बयान पर भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने तंज कसा। उन्होंने कहा, सत्ता के शीर्ष पर कोई वैकेंसी नहीं है, इसलिए इंडिया गठबंधन के शीर्ष पर पहुंचने की कोशिश की जा रही है। दरअसल ममता के विपक्षी महागठबंधन इंडिया ब्लॉक को समर्थन देने वाले बयान पर नकवी ने कहा, उन लोगों को अच्छी तरह पता है कि दिल्ली की सत्ता के शीर्ष के लिए कई दशकों तक कोई वैकेंसी नहीं आने वाली है। लेकिन अगर विपक्षी महागठबंधन की बात की जाएं तब खानदान अनेक हैं, लेकिन उनकी ख्वाहिशें एक हैं। उन्हें सत्ता की शीर्ष पर कोई वैकेंसी नहीं दिख रही है, इसलिए कोशिश में लगे हैं कि गठबंधन के शीर्ष पर ही पहुंच जाओ।

इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने आरोप लगाया है कि उनके फोन और लैपटॉप को हैक करने की कोशिश हुई है। इस पर नकवी ने कहा, गुरु नंबरी तब चेला दस नंबरी। ये वे लोग हैं, जिन्हें सपनो में भी जासूसी नजर आती है। किसानों की मांगों को लेकर विपक्ष द्वारा सरकार को घेरने के सवाल पर नकवी ने कहा, पिटी हुई पटकथा पर परिवार का प्रायोजित पॉलिटिकल पाखंड समय-समय पर चलता रहता है। उनके इस पाखंड को जनता बार-बार परास्त करती है। वहीं, जहां तक किसानों की बात है कि पीएम मोदी की सरकार 2014 से आज तक मेरा गांव मेरा देश, मेरा खेत मेरा खलिहान, मेरी कृषि मेरा कृषक इन सभी को प्राथमिकता देकर काम कर रही है।

ई-श्रम पोर्टल पर 1 दिसंबर तक 30.43 करोड़ से अधिक असंगठित श्रमिक रजिस्टर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद को बताया गया कि मोदी सरकार के ई-श्रम पोर्टल पर 1 दिसंबर तक 30.43 करोड़ से अधिक असंगठित श्रमिक रजिस्टर्ड हैं। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने लिखित उत्तर में बताया कि ई-श्रम पोर्टल पर रजिस्टर्ड ग्रामीण क्षेत्रों के अनौपचारिक श्रमिकों की संख्या 1 दिसबंर तक 27.22 करोड़ है। मंत्रालय ने आधार से जुड़े असंगठित श्रमिकों (एनडीयूडब्ल्यू) का एक राष्ट्रीय डेटाबेस बनाने के लिए 26 अगस्त, 2021 को ई-श्रम पोर्टल लंच किया था। ई-श्रम पोर्टल का मकसद असंगठित श्रमिकों को उनकी खुद की घोषणा के आधार पर एक यूनिवर्सल खाता संख्या (यूएएन) प्रदान कर उन्हें रजिस्टर और सपोर्ट करना है। ई-श्रम पर रजिस्ट्रेशन के लिए श्रमिकों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का भी इस्तेमाल हो रहा है। मंत्रालय के अनुसार, असंगठित श्रमिकों को रजिस्ट्रेशन में मदद करने के लिए राज्य सेवा केंद्रों (एसएसके) और कॉमन सर्विस सेंटर की सेवाओं को शामिल किया गया है।

श्रमिकों तक पहुंच बढ़ाने और उन्हें रजिस्ट्रेशन/अपडेट की सुविधा उनके मोबाइल फोन पर ही उपलब्ध करवाई जा रही है। उमंग एप पर ई-श्रम पोर्टल को शामिल किया गया है। अब तक, विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों की 12 योजनाओं को पहले ही ई-श्रम पोर्टल के साथ इंटीग्रेट या मैप किया जा चुका है। केंद्रीय बजट 2024-25 के अनुसार, अन्य सरकारी वेबसाइटों के साथ ई-श्रम पोर्टल का इंटीग्रेशन 'वन-स्टॉप-सॉल्यूशन' की सुविधा प्रदान करेगा। श्रम और रोजगार मंत्रालय ने असंगठित श्रमिकों को जल्द से जल्द ई-श्रम पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करने के लिए पंचायती राज मंत्रालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय और ग्रामीण विकास मंत्रालय आदि जैसे अन्य मंत्रालयों से भी संपर्क किया है।

आशंका- भारतीय सीमाओं के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं पाकिस्तान और बांग्लादेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रधानमंत्री मोहम्मद यूनुस ने पाकिस्तान के नागरिकों के लिए वीजा नियमों में ढील देने का फैसला लिया है। इसके तहत अब पाकिस्तानियों को बांग्लादेश में यात्रा के लिए सुरक्षा मंजूरी की आवश्यकता नहीं होगी, जो पहले आवश्यक थी। बांग्लादेश सरकार ने 2019 में सुरक्षा कारणों से एक आदेश जारी किया था, जिसमें पाकिस्तानी नागरिकों को बांग्लादेश में प्रवेश करने के लिए वीजा प्राप्त करने से पहले अनापत्ति मंजूरी प्राप्त करनी होती थी। लेकिन अब यूनुस सरकार ने इसे पलट दिया है। इस कदम के परिणामस्वरूप, पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच रिश्तों में तेजी से नजदीकियां बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। इसे लेकर भारत के सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यह बदलाव भारत की पूर्वी और उत्तर-पूर्वी सीमाओं पर एक नई सुरक्षा चुनौती उत्पन्न कर सकता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को पाकिस्तान और बांग्लादेश के रिश्तों पर गहरी नजर रखनी चाहिए। बांग्लादेश के साथ पाकिस्तान के रिश्तों में बढ़ती नजदीकी का भारत की सुरक्षा नीति पर प्रभाव पड़ सकता है, खासकर यदि इस पर आतंकवाद या कट्टरपंथी गतिविधियों का असर होता है। ऐसे में भारत को किसी भी संभावित खतरे से निपटने के लिए अपने सुरक्षा इंतजामों को और भी मजबूत करना होगा और बांग्लादेश की सीमाओं के पास निगरानी को बढ़ाना होगा। भारत सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस नए राजनीतिक बदलाव के मद्देनजर क्षेत्रीय सुरक्षा को कोई नुकसान न पहुंचे। साथ ही, यह भी महत्वपूर्ण है कि किसी भी बाहरी तत्व के लिए भारतीय सीमा में घुसपैठ करने का रास्ता बंद किया जाए, ताकि देश की आंतरिक सुरक्षा बनाए रखी जा सके। बांग्लादेश और पाकिस्तान के बढ़ते कूटनीतिक संबंध भारत के लिए एक नई चुनौती बन सकते हैं। हालाँकि, दोनों देशों के बीच सहयोग का कोई स्पष्ट और तत्काल सैन्य खतरा तो नहीं है, लेकिन यह स्थिति आतंकवाद और कट्टरपंथी गतिविधियों के जरिए भारत के लिए गंभीर परिणाम ला सकती है। ऐसे में भारत को अपनी सुरक्षा रणनीति में बदलाव कर इस बदलाव पर लगातार निगरानी रखनी चाहिए और उचित कदम उठाने चाहिए ताकि राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच कूटनीतिक रिश्तों में हाल ही में आई बदलावों को लेकर विशेषज्ञों ने चिंता जताई है। खासकर, बांग्लादेश में नए अंतरिम सरकार के गठन के बाद से दोनों देशों के बीच बढ़ती नजदीकियां भारत के लिए एक सुरक्षा खतरे के रूप में उभर सकती हैं। इस रिपोर्ट में चर्चा की गई है कि पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच नए संबंधों के चलते भारत की पूर्वी और उत्तर-पूर्वी सीमाओं पर सुरक्षा से संबंधित गंभीर चुनौती उत्पन्न हो सकती है।

विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि पाकिस्तान-बांग्लादेश के बढ़ते संबंधों से कट्टरपंथी और आतंकवादी तत्वों के लिए बांग्लादेश की यात्रा करने का अवसर मिल सकता है। बांग्लादेश की भारत के साथ 4,096 किलोमीटर लंबी सीमा है, और पाकिस्तान के कट्टरपंथी समूहों द्वारा इस सीमा का इस्तेमाल भारत के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए किया जा सकता है। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आई.एस.आई. (इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस) का भी पूर्व में बांग्लादेश में सक्रिय होने का इतिहास रहा है। 1971 के भारत-पाक युद्ध और उसके बाद बांग्लादेश में पाकिस्तान के अत्याचारों और शेख मुजीबुर रहमान की हत्या में आई.एस.आई. की भूमिका ने दोनों देशों के रिश्तों को हमेशा के लिए प्रभावित किया। इसके बावजूद, 2001 से 2006 तक बांग्लादेश में बी.एन.पी. (बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी) और जमात-ए-इस्लामी के शासन के दौरान, पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आई.एस.आई. ने बांग्लादेश को आतंकवादी और विद्रोही समूहों के लिए एक आधार के रूप में इस्तेमाल किया।

भारत में 2001 और 2006 के बीच हुए कई बड़े आतंकवादी हमलों के पीछे बांग्लादेश का कनेक्शन सामने आया था। 2004 में चटगांव बंदरगाह पर पाकिस्तान द्वारा हथियारों की तस्करी की कोशिश के दौरान बांग्लादेश की धरती का इस्तेमाल किया गया था। इसके अलावा, बी.एन.पी. सरकार के कुछ मंत्रियों का नाम भी भारत में उग्रवाद को बढ़ावा देने में शामिल रहा था। ऐसे में पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच बढ़ती नजदीकी से भारत को सुरक्षा के लिहाज से गंभीर चिंताएं उत्पन्न हो रही हैं।

हालांकि, 2019 से पहले शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के दौरान पाकिस्तान के साथ बांग्लादेश के रिश्ते अत्यधिक तनावपूर्ण रहे थे, लेकिन अब बांग्लादेश में हसीना सरकार के सत्ता से बेदखल होने के बाद पाकिस्तान का दूतावास बांग्लादेश में अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिशें कर रहा है। इस सिलसिले में, पाकिस्तान के उच्चायुक्त सैयद अहमद मारूफ ने हाल ही में बांग्लादेश के विपक्षी दल, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की नेता खालिदा जिया से मुलाकात की। इसके अलावा, यह भी देखा गया कि 1971 के बाद पहली बार एक पाकिस्तानी मालवाहक जहाज बांग्लादेश के चटगांव बंदरगाह पर पहुंचा है, जो एक संकेत है कि पाकिस्तान बांग्लादेश के साथ अपने व्यापारिक और कूटनीतिक रिश्तों को फिर से सशक्त बनाने की कोशिश कर रहा है।

हेड के शतक से ऑस्ट्रेलियाई ने 337 रन बनाकर हासिल की बढ़त, भारत दूसरी पारी 128/5

एडिलेड (एजेंसी)। ट्रेविड हेड के शानदार शतक से मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम ने भारत के खिलाफ यहां दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के दूसरे दिन पहली पारी में 337 रन बना लिए थे। दिन-रात के इस मैच में भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में 180 रन बनाये थे। इस प्रकार पहली पारी के आधार पर मेजबान टीम को 157 रनों की अच्छी खासी बढ़त मिल गयी हैं। वहीं इसके बाद दूसरी पारी में खेलते हुए भारतीय टीम ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 5 विकेट पर केवल 128 रन बनाये। दिन का खेल समाप्त होने के समय ऋषभ पंत 28 और नितिश कुमार रेड्डी 14 रन बनाकर खेल रहे थे। इस प्रकार इस मैच में मेजबान टीम हावी है।

पहली पारी के बाद भारतीय टीम की शुरुआत दूसरी पारी में भी अच्छी नहीं रही। पारी की शुरुआत यशस्वी जयसवाल और केएल राहुल ने की। राहुल केवल 7 के स्कोर पर कमिंस की गेंद पर विकेटकीपर एलेक्स कैरी के हाथों कैच हो गये। इसके बाद यशस्वी भी 24 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। उन्होंने 31 गेंदों पर 24 रन बनाए। विराट कोहली दूसरी पारी में भी विफल रहे और 11 रन बनाकर स्कॉट बोलैंड का शिकार बने। इसके बाद उतरे शुभमन गिल से उम्मीद थी पर वह भी 28 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। मध्यक्रम में उतरे कप्तान रोहित शर्मा केवल 6 रन बनाकर कप्तान पैट कमिंस की गेंद पर आउट हुए।

वहीं इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहले दिन के

एक विकेट पर 87 रनों से आगे खेलना शुरु किया। दूसरे दिन सुबह बुमराह ने सबसे पहले मैकस्वीनी (39) का विकेट निकाला। बुमराह यही नहीं रुके। थोड़ी देर बाद उन्होंने स्टीव स्मिथ (2) को भी चलता किया। ऑस्ट्रेलिया को बड़ा सहारा लबुछेन और ट्रेविस हेड ने दिया। दोनों ने 65 रनों की साझेदारी की। लबुछेन 126 गेंदों पर 64 रन बनाकर नितिश रेड्डी का शिकार हुए। वहीं, एक छोर पर खड़े ट्रेविस हेड ने शानदार स्ट्रोक लगाए और डे नाइट टेस्ट का अपना तीसरा शतक पूरा किया। मिचेल मार्श 9 तो एलेक्स कैरी 15 रन बनाकर आऊट हो गए लेकिन ट्रेविस की तेजतर्रार पारी जारी रही और ऑस्ट्रेलिया 300 रन पार कर गया। डिनर ब्रेक तक ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 8 विकेट खोकर 332 रन हो गया। डिनर ब्रेक के बाद सिराज ने फिर से एग्रेशन दिखाए और मिचेल स्टार्क और बोलांड के विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया को 337 रन पर रोक दिया। ऑस्ट्रेलिया के पास अब 157 रन की लीड है। भारत की ओर से मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह 4-4 विकेट लेने में सफल रहे।

एचआईएल में बेहतर प्रदर्शन पर हैं आमिर की नजरें

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के कप्तान आमिर अली की नजरें आगामी हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2024-25 में बेहतर प्रदर्शन पर लगी हुई हैं। आमिर को नीलामी में टीम गोनासिका ने 34 लाख रुपए में खरीदा था। इस खिलाड़ी का यहां तक का सफर कठिन रहा है। आमिर ने कहा कि वह अपनी परिवार की आर्थिक हालत को बेहतर बनाना चाहते थे। इसी कारण वह हॉकी में मेहनत करने लगे।

उल्लेखनीय है कि आमिर एक डिफेंडर हैं और ने हाल ही में भारतीय टीम को जूनियर एशिया कप खिताब दिलाया और अब वह अपनी जीत की लय को जारी रखने के उद्देश्य से आगामी हॉकी इंडिया लीग में खेलने के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, जूनियर एशिया कप जीतने से उनका मनोबल बढ़ा है और वह जीत की इस लय को लीग में भी जारी रखना चाहते हैं। इस युवा के अनुसार एचआईएल में सीनियर खिलाड़ियों के अनुभवों का लाभ भी उन्हें मिलेगा। आमिर का हॉकी इंडिया लीग से जुड़ाव उनके बचपन से है। वह मनप्रीत सिंह को आदर्श मानते हैं और लखनऊ में एचआईएल मैच खेलते देखने के लिए 10 किलोमीटर पैदल चलकर जाते थे। अब उन्हें टीम गोनासिका में अपने आदर्श मनप्रीत सिंह के साथ खेलने का अवसर मिलेगा।

उन्होंने कहा, यह सोचना कि मैं कभी एचआईएल मैच देखने गया था और अब मैं उनमें खेलूंगा, एक बहुत ही खास एहसास है। मेरे माता-पिता गर्व महसूस करते हैं और इससे मुझे बहुत खुशी मिलती है। मैं अपने आदर्श मनप्रीत सिंह के साथ खेलने के लिए बहुत उत्साहित हूं और उनसे सीखने और उनके मार्गदर्शन में अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए उत्सुक हूं। युवा डिफेंडर आगामी सत्र के लिए अपने लक्ष्यों के बारे में स्पष्ट हैं। मैं अपना 100 प्रतिशत देना चाहता हूं और यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि टीम गोनासिका अच्छा प्रदर्शन करे। मुझे बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है, और मैं टीम की सफलता में योगदान देकर उस विश्वास को चुकाने के लिए दृढ़ संकल्पित हूं। आगामी सत्र के लिए मेरा लक्ष्य अपनी टीम के साथ एचआईएल ट्रॉफी उठाना है।

इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड पर शिकंजा कसा, 533 रन की बड़ी बढ़त मिली

वेलिंगटन (एजेंसी)। जैकब बेथेल 96 और बेन डकेट 92 की शानदार बल्लेबाजी से इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में अपना शिकंजा कस दिया है। इंग्लैंड ने दूसरे दिन दूसरी पारी में पांच विकेट पर 378 रन बनाकर 533 रन की बड़ी बढ़त हासिल कर ली। दूसरे दिन का खेल खत्म होते समय जो रूट 73 और कप्तान बेन स्टोक्स 35 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे। रूट ने इस अर्धशतकीय पारी के साथ टेस्ट में 50 या उससे अधिक का अपना 100वां स्कोर बनाया है। वह इस उपलब्धि को हासिल करने वाले चौथे बल्लेबाज बन गए। उनसे पहले यह उपलब्धि सचिन तेंदुलकर, जैक्स कैलिस और रिकी पोंटिंग के नाम ही है। इंग्लैंड की दूसरी पारी में बेथल चार रन से अपना शतक पूरा नहीं कर पाये। उन्होंने डकेट के साथ दूसरे विकेट के लिए 220 गेंद में 187 रन की साझेदारी के साथ मैच में न्यूजीलैंड की वापसी को बाधित कर दिया। वहीं पहली पारी में शतक जड़ने वाले हैरी ब्रुक ने दूसरी पारी में 55 रन बनाये। इससे पहले एटकिंसन ने शानदार हैट्रिक लेकर मजबान कीवी टीम को पहली पारी को केवल 125 रन पर ही समेट दिया था। एटकिंसन ने नाथन स्मिथ, मैट हेनरी और टिम साउथी के विकेट लिए। इसके अलावा ब्रायडन कार्स ने 4 विकेट लिए जबकि क्रिस वोक्स और स्टोक्स ने 1-1 विकेट लिया। इंग्लैंड को पहली पारी के आधार पर 155 रन की बढ़त मिली हुई है।

एशिया कप से जूनियर विश्व कप के लिए क्वालीफाई करना चाहेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

शारजाह (एजेंसी)। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम रविवार को यहां एशिया कप में बांग्लादेश के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी और उसकी निगाहें अपना खिताब बचाने के साथ अगले साल के जूनियर विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करने की होगी। सात से 15 दिसंबर तक होने वाला यह टूर्नामेंट चिली में होने वाले एफआईएच जूनियर विश्व कप 2025 के लिए क्वालीफाइंग टूर्नामेंट भी है।

कोच तुषार खांडेकर के मार्गदर्शन में भारत की अगुआई ज्योति सिंह करेंगी जबकि साक्षी राणा उप कप्तान होंगी। टीम में दीपिका, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, सुनीता टोप्पो और मुमताज खान जैसी खिलाड़ी भी शामिल हैं जो पिछले साल की खिताबी जीत के बाद से सीनियर टीम के लिए खेल रही हैं। पिछले साल भारत ने फाइनल में दक्षिण कोरिया को 2-1 से हराकर पहली बार खिताब जीता था।

भारत को पूल ए में चीन, मलेशिया, थाईलैंड और बांग्लादेश के साथ रखा गया है। पूल बी में दक्षिण कोरिया, जापान, चीनी ताइपे, हांगकांग और श्रीलंका शामिल हैं। प्रत्येक टीम अपने पूल में प्रत्येक प्रतिद्वंद्वी के साथ एक बार खेलेगी और प्रत्येक पूल से शीर्ष दो टीम सेमीफाइनल में जगह पक्की करने के साथ अगले साल के विश्व कप में भी जगह बनाएंगी। प्रत्येक पूल की तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमें जूनियर विश्व कप के लिए अंतिम स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी।

कप्तान ज्योति ने कहा, ''हम मैदान पर उतरने और टूर्नामेंट की मजबूत शुरुआत करने के लिए उत्साहित हैं। खिताब का बचाव करना चुनौतीपूर्ण होगा, लेकिन मुझे यकीन है कि टीम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी और हमारे देश को गौरवान्वित करेगी।''

अगर भारत पूल ए में शीर्ष दो टीमों में से एक रहता है तो वह 14 दिसंबर को होने वाले सेमीफाइनल में पहुंच जाएंगे। टूर्नामेंट का खिताबी मुकाबला 15 दिसंबर को खेला जाएगा।

उन्होंने कहा, ''यह टूर्नामेंट बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि जूनियर विश्व कप के लिए अंतिम स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी।''

ऋषभ ने कराया बल्लेबाज को आउट, अश्विन और रोहित हुए हैरान

एडीलेड । भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर ऋषभ पंत ने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मिचेल मार्श को जिस प्रकार आउट कराया उससे सभी हैरान रह गये। यहां तक कि गेंदबाज और कप्तान रोहित शर्मा को भी इसका पता नहीं चला। दूसरे दिन लंच के बाद स्पिनर आर अश्विन की गेंद मिचेल मार्श के बल्ले का किनारा लेती हुई निकली और विकेट के पीछे से ऋषभ ने अंपायर की तरफ देखते हुए हाथ उठाकर आउट दिए जाने की अपील की। इस अपील को तुरंत ही अंपायर ने माना और मिचेल को आउट दे दिया। उस समय मिचेल केवल 9 रन बनाकर खेल रहे थे। ये देखकर रोहित और अश्विन हैरान हो गये। रोहित ने तो यहां तक पूछा कि क्या गेंद सही में बल्ले से लगी थी।।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जीतना है कमिंस का लक्ष्य

एडिलेड ।ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान पैट कमिंस का लक्ष्य भारत से जारी बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी जीतना है। कमिंस का कहना है कि उन्होंने अब तकअपने करियर में अन्य सब खिताब जीते हैं पर उन्हें ये ट्रॉफी नहीं मिल पायी है। कमिंस ने अपनी कप्तानी में एकदिवसीय विश्वकप के साथ ही एशेज और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीती है पर वह एक बार भी बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी नहीं जीत पाए है। इसलिए इस बार उनका लक्ष्य इस कमी को पूरी करना है। कमिंस ने 2011 में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था लेकिन उन्होंने भारत के खिलाफ अपना पहला टेस्ट मैच 2017 में खेला था। ऑस्ट्रेलिया 2014-15 के बाद भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज नहीं जीत पाया है। पर्थ में पहले टेस्ट मैच में 295 रन की करारी हार के बाद ऑस्ट्रेलिया पांच मैच की सीरीज में 0-1 से पीछे है पर कमिंस को पूरा भरोसा है कि उनकी टीम वापसी में सफल रहेगी। कमिंस के अनुसार ऑस्ट्रेलिया के ड्रेसिंग रूम में मौजूद कई खिलाड़ियों ने अभी तक बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी नहीं जीती है। इसलिए ये सीरीज हमारे लिए अहम है। साथ ही कहा कि पिछले कुछ वर्षों में हमने चुनौतियों का डटकर सामना करके अच्छा प्रदर्शन किया है। हमें इस सीरीज में भी ऐसा करने की जरूरत है। कमिंस से पूछा गया कि क्या उन पर बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी जीतने का दबाव है, उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि हम पर किसी तरह का दबाव है। साथ ही कहा कि आप अपने घरेलू मैदान पर सीरीज खेल रहे हैं और आप अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं। हम जानते हैं कि भारतीय टीम बेहद मजबूत है और हमें उसके खिलाफ पिछली तीन सीरीज में हार का सामना करना पड़ा हैं।

140 रन बना चुके थे ट्रेविस हेड, क्लीन बोल्ड कर मोहम्मद सिराज ने यूं दिखाया गुस्सा

एडीलेड (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज एक बार फिर से पिंक डे टेस्ट में एग्रेशन दिखाकर चर्चा में आ गए। भारतीय टीम जब पहली पारी में 180 रन पर ऑलआऊट हो गई थी तो सिराज गेंदबाजी करते हुए अपनी टीम को शुरूआती सफलता दिलाने में नाकामयाब रहे। इसी का गुस्सा वह ग्राऊंड पर निकालते हुए भी नजर आए। ऑस्ट्रेलिया को 000 रन तक ले जाने में ट्रेविस हेड का बड़ा योगदान रहा जिन्होंने 141 गेंदों पर 140 रन बनाए। उन्होंने आऊट होने से पहले मोहम्मद सिराज की ओवर में कुछ बड़े शॉट भी लगाए। रन बनने से निराश दिख रहे सिराज ने एक बेहतरीन यॉर्कर डालकर ट्रेविस हेड को क्लीन बोल्ड कर दिया और साथ ही एग्रेशन भी दिखाए।

उक्त घटनाक्रम 82वें ओवर में देखने को मिला। ट्रेविस ने सिराज का आते ही चौके से स्वागत किया था। इसके बाद उन्होंने फ्लिक मारकर सिराज को छक्का जड़ दिया। सिराज इससे निराश दिखे। उन्होंने ओवर की चौथी गेंद विकेट पर यॉर्कर दे मारी। ट्रेविस इस क्रिक डिलिवरी को समझ नहीं पाए और बोल्ड हो गए। ट्रेविस जैसे ही पवेलियन की ओर जाने लगे सिराज ने उन्हें जमकर एग्रेशन दिखाए। 140 रन बनाने वाले ट्रेविस भी खामोश नहीं रहे, उन्होंने भी पलटकर जवाब दिया। घटनाक्रम की वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई।

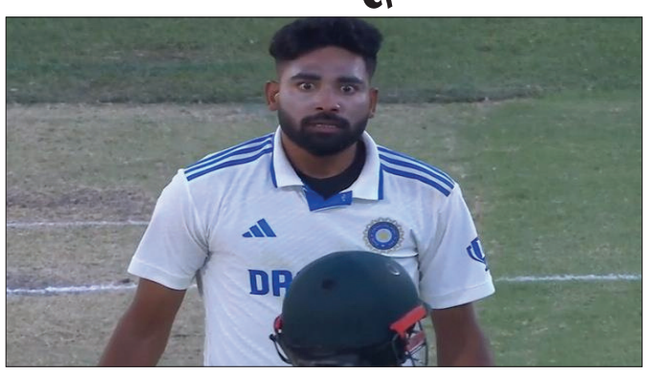

पहले भी एग्रेशन दिखाए थे सिराज ने

मोहम्मद सिराज और मार्नस लाबुशेन के बीच पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट के दौरान भी नोंकझोक देखने को मिली थी। इस बार मार्नस का ध्यान भटकाने वाला व्यक्ति एक प्रशंसक था, जो बीयर के प्यालों का एक बड़ा ढेर लेकर साइट स्क्रीन के पार चला गया। इसने लाबुशेन का ध्यान भटका दिया। उन्होंने रनअप ले रहे सिराज को अचानक रुकने को बोल दिया। सिराज तब तक क्रीज के काफी करीब आ चुके थे। उन्होंने गेंद को अपने डिलीवरी स्ट्राइड से स्टंप पर फेंक दिया। घटना के बाद मार्नस हंस पड़े और उन्हें ध्यान भटकाने वाले प्रशंसकों की ओर इशारा किया।

डुमिनी ने दक्षिण अफ्रीकी टीम के बल्लेबाजी कोच का पद छोड़ा

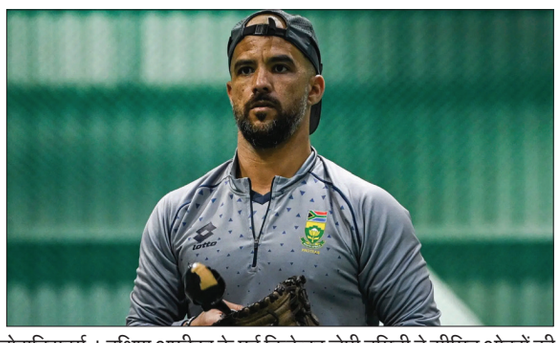

जोहानिसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर जेपी डुमिनी ने सीमित ओवरों की टीम के बल्लेबाजी कोच पद से इस्तीफा दे दिया है। डुमिनी ने कहा कि वह निजी कारणों से पद छोड़ रहे हैं। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने डुमिनी के पद छोड़ने की घोषणा की है। डुमिनी ने पिछले साल मार्च में दक्षिण अफ्रीकी टीम के बल्लेबाजी कोच की जिम्मेदारी संभाली थी। सीएसए ने कहा कि उन्होंने आपसी सहमति के तुरंत बाद पद छोड़ दिया। सीएसए ने सोशल मीडिया में कहा, ''पूर्व क्रिकेटर डुमिनी मार्च 2023 में अपनी नियुक्ति के बाद से सीमित ओवरों की टीम के कोचिंग स्टाफ के प्रमुख सदस्य रहे हैं पर अब उन्होंने पद छोड़ दिया है। ऐसे में शीघ्र ही उनके स्थान पर सीमित ओवरों की टीम के लिए नये बल्लेबाजी कोच की नियुक्ति की जाएगी। गौरतलब है कि डुमिनी ने दक्षिण अफ्रीका की ओर से साल 2004 से 2019 के बीच 15 साल तक खेला है।

भारतीय टीम दूसरा टेस्ट हारी तो डब्लयूटीसी फाइनल में पहुंचना होगा मुश्किल

एडीलेड ।भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला जा रहा बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का दूसरा मुकाबला भारतीय टीम के लिए बेहद अहम है। भारतीय टीम को अगर विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) फाइनल में जगह बनानी है तो उसके लिए ये मैच जीतना जरुरी रहेगा। इसलिए गुलाबी गेंद से खेले जा रहे इस मैच को भारतीय टीम किसी भी प्रकार से जीतना चाहेगी। इस मैच में अगर भारतीय टीम हारी तो उसका नंबर एक स्थान हाथ से फिसल जाएगा। साथ ही इससे विश्वटेस्ट चैम्पियनशिप अंक तालिका पर भी प्रभाव पड़ेगा। डब्ल्यूटीसी फाइनल की रेस में अभी तीन टीमें हैं। इस सूची में भारतीय टीम 61.11 प्रतिशत अंकों के साथ पहले, 59.26 प्रतिशत अंकों के साथ दक्षिण अफ्रीका दूसरे जबकि 57.69 प्रतिशत अंकों के साथ ऑस्ट्रेलिया तीसरे नंबर पर हैं। दूसरे टेस्ट में अगर भारतीय टीम जीतती है तो उसके 63.54 प्रतिशत अंक हो जाएंगे। वहीं ऑस्ट्रेलिया के 53.57 प्रतिशत अंक ही रह जाएंगे। अगर भारतीय टीम एडिलेड में हारी तो है तो वह सीरीज में पिछड़ जाएगी। साथ ही डब्लयूटीसी अंक तालिका में नंबर-1 का स्थान भी उसके हाथ से निकल जाएगा। एडिलेड टेस्ट में हार से भारतीय टीम के 57.29 प्रतिशत अंक ही रह जाएंगे। वहीं जीतने पर ऑस्ट्रेलिया के खाते में 60.71 प्रतिशत अंक हो जाएंगे और उनके पास नंबर-1 बनने का अवसर रहेगा। ऐसे में अगर टीम इंडिया एडिलेड में भी जीत दर्ज करती है तो सीरीज में 2-0 से आगे हो जाएगी। साथ ही अंक तालिका में भी शीर्ष पर बनी रहेगी।

ट्रॉफी के बिना सब है बेकार : मैक्सवेल

मुम्बई । ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में पंजाब किंग्स के लिए खेलते हुए कई रिकॉर्ड बनाए हैं। मैक्सवेल पंजाब किंग्स के कप्तान भी रहे थे पर मेंटोर वीरेन्द्र सहवाग से मतभेद के बाद उन्हें टीम छोड दी। वह 2014 में किंग्स इलेवन पंजाब में शामिल हुए थे। उनकी टीम तब फाइनल में पहुंची थी पर वहां कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से हार गयी गई। मैक्सवेल ने इस आईपीएल में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 552 रन बनाए थे। पंजाब के साथ अपने अपने सफर को याद करते हुए मैक्सवेल ने कहा कि हम उस समय अंतिम ओवर में हार गए थे। इस किकेटर ने कहा कि आपका सफर कितना भी अच्छा क्यों न हो पर ट्रॉफी के बिना सब बेकार है। साल 2014 के बाद पंजाब का प्रदर्शन गिर गया और वह अंक तालिका में आखिरी स्थानों पर रही। मैक्सवेल ने इसको लेकर कहा कि तब टीम के लिए कठिन समय था और एक युवा खिलाड़ी के रूप में उनके लिए इसे स्वीकार करना मुश्किल रहा था। 2017 में मैक्सवेल की एक बार फिर पंजाब टीम में वापसी हुई। तब सहवाग टीम मेंटर बन गये थे। वहीं मैक्सवेल को कप्तानी मिली। मैक्सवेल ने कहा कि टीम बनते ही स्पष्ट हो गया था कि इसपर सहवाग का प्रभाव है। उन्होंने कोच जे अरुणकुमार के साथ मिलकर फैसले लेने की जिम्मेदारी ली, जिससे खिलाड़ियों और कोचों के बीच भ्रम पैदा हो गया। जिसका प्रभाव टीम पर पड़ा। मैक्सवेल ने कहा कि एक मुकाबले में इशांत शर्मा को आखिरी समय पर टीम में जगह दे दी गई जोकि निर्णय लेने में अव्यवस्था को दिखाता था। टीम पर सहवाग की पकड़ बढ़ती गई। जिससे उनके बीच मतभेद भी बढ़ने लगे। और निराशाजनक सीज़न के बाद मैक्सवेल और सहवाग के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया। मैक्सवेल के अनुसार सहवाग ने सार्वजनिक रूप से उनकी आलोचना की थी जो सही नहीं था। मैक्सवेल ने साझा किया कि यह अप्रिय था, खासकर जब मुझे लगा कि हम अच्छी शर्तों पर अलग हुए हैं। उस घटना के बाद दोनों ने फिर कभी बात नहीं की और मैक्सवेल ने फ्रेंचाइजी मालिकों को सूचित किया कि अगर सहवाग जारी रहेगा तो वह चले जाएंगे।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के आखिरी दो टेस्ट खेलेंगे शमी, मुश्ताक अली अभियान खत्म करके होंगे रवाना

नई दिल्ली (एजेंसी) भारत के सीनियर तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रही श्रृंखला के आखिरी दो टेस्ट में खेलने के लिए तैयार हैं और उनकी 'प्लेइंग किट' पहले ही ऑस्ट्रेलिया पहुंच चुकी है जबकि एनसीए की मेडिकल टीम से फिटनेस मंजूरी मिलना बस औपचारिकता मात्र है। बंगाल के इस अनुभवी क्रिकेटर के लिए 14 दिसंबर से ब्रिसबेन में शुरू हो रहे टेस्ट में खेलना आसान नहीं हो सकता है।

हालांकि, ये तय है कि वह 'बॉक्सिंग डे' (26 दिसंबर) को मेलबर्न में चौथे टेस्ट में दिखाई देंगे। इस क्रिकेटर के करीबी एक सूत्र ने बताया कि एनसीए से फिटनेस प्रमाण पत्र बहुत जल्द मिल जाएगा। सूत्र ने पीटीआई को बताया, ''शमी की भारतीय किट पहले ही ऑस्ट्रेलिया भेज दी गई है। वह मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 टूर्नामेंट को पूरा करेंगे और फिर रवाना हो जाएंगे।''

शमी (34 साल) भारत के लिए पिछला टूर्नामेंट नवंबर 2023 में वनडे विश्व कप फाइनल में खेले थे और इसके बाद टखने की सर्जरी के कारण उन्हें लंबे समय तक बाहर रहने पर मजबूर होना पड़ा। न्यूजीलैंड के खिलाफ उनकी वापसी तय लग रही थी लेकिन इससे ठीक पहले शमी के घुटने में सूजन आ गई जिससे उनकी वापसी में देरी हुई।

वहीं सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का नॉकआउट दौर बेंगलुरु में हो रहा है इसलिए उम्मीद है कि एनसीए (राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी) की मेडिकल टीम के प्रमुख डॉ. नितिन पटेल और 'स्ट्रेंथ' और अनुकूलन ट्रेनर निशांत बोरदोलोई बंगाल के राष्ट्रीय टी20 चैंपियनशिप में टीम का अभियान खत्म होने के बाद उनका आकलन करेंगे। बंगाल के मुख्य कोच लक्ष्मी रतन शुक्ला अपने मुख्य गेंदबाज पर नजर रखे हैं।

उन्होंने पीटीआई से कहा, ''शमी चंडीगढ़ के खिलाफ हमारे लिए प्री-क्वार्टर फाइनल खेलेंगे। वह कल तक बेंगलुरु में हमारे साथ जुड़ जाएंगे। हालांकि, मुझे नहीं पता कि अगर हम क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करते हैं तो वह उपलब्ध होंगे या नहीं। लगता है कि वह फिट होंगे और ऑस्ट्रेलिया के आखिरी दो टेस्ट के लिए उपलब्ध होंगे।'' शुक्ला भी भारत के पूर्व प्रमुख रवि शास्त्री के विचार से सहमत हैं जिन्हें लगता है कि ब्रिस्बेन में शमी की जरूरत है।

काम करते-करते थक जाती हैं आपकी कलाइयां

तो रोजाना करे ये 6 स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज

क्या आप भी दिनभर काम करने के बाद अपनी कलाइयों के दर्द से परेशान रहते हैं? तो आप भी अब इन तरीकों से अपने कलाइयों की एक्सरसाइज कर कलाइयों के दर्द से छुटकारा पा सकते हैं। अक्सर लोगों के साथ ऐसा कई बार होता है कि जब वह पूरा दिन कंप्यूटर और लैपटॉप पर काम करने के बाद शरीर में थकावट हो जाती है। इसके साथ ही लगातार काम करने से उनकी कलाइयों में दर्द महसूस होता है। जरूरी नहीं की काम की वजह से ही ऐसा हो कई बार ज्यादा बाइक चलाने से भी या फिर जिम करने से इस तरह का दर्द होने लगता है। इन सब चीजों से छुटकारा पाने के लिए आप रोजाना कलाइयों की एक्सरसाइज कर सकते हैं। यहां आपको कलाइयों के एक्सरसाइज के बारे में कुछ तरीके बताएंगे जो आपको आपकी कलाइयों के दर्द या फिर उसे आराम देने का काम करेगी।

कलाई को नीचे की ओर खींचें

आप अपने हाथ को अपने सामने लाकर सीधा करें और कलाई को नीचे की तरफ खींचें। आप अपने दूसरे हाथ से अपनी कलाई को नीचे की और खींचने की कोशिश करें। अपनी कलाई को करीब 20 से 30 सेकेंड खींचे रखे। ऐसा ही अपने दूसरे हाथ की कलाई को करें। यह आपकी कलाई की नसों को खोलने का काम करेगी और साथ ही आपकी कलाई को आराम देगी।

मुट्ठी बनाएं और आराम से खोलें

कलाई को आराम देने के लिए आप एक मुट्ठी बनाएं जिसे आप करीब 4 से 5 सेकेंड के बाद खोलें और अपनी उंगलियों को खींचें। इस एक्सरसाइज से आपकी उंगलियों पर भी असर होगा। और साथ ही आपकी उंगलियां का दर्द कम होगा और काम करने के लिए तैयार हो जाएंगी। उनमें किसी तरह की कोई थकावट महसूस नहीं होगी।

टेनिस बॉल का करें प्रयोग

अगर आपको लग रहा है की आपकी कलाई से आपको काफी थकावट महसूस हो रही है तो आप टेनिस बॉल के साथ एक्सरसाइज कर सकते हैं। यह एक्सरसाइज आपको रोजाना करनी चाहिए खासकर उन लोगों को जिनका रोजाना का काम कंप्यूटर या फिर लैपटॉप का होता है।

कलाई को चारों और घूमाएं

आप अगर अपनी कलाई को जकड़ा हुआ या फिर दर्द महसूस कर रहे हैं तो आपको अपनी कलाई को चारों और घुमाकर एक्सरसाइज करनी होगी। आप पहले तो अपनी कलाई में मुट्ठी बना लें। इसके बाद आप अपने हाथ को अपने सामने लाएं और धीरे-धीरे इसे चारों और घुमाएं। इस एक्सरसाइज में आप पहले अपनी कलाई को घड़ी की तरह घुमाएं फिर उल्टा घुमाना शुरू करें। इससे आपकी कलाइ को धीरे-धीरे आराम मिलेगा। और जकड़न को खत्म करने में मदद मिलेगी। अगर जिम करते समय आपको महसूस हो रहा है कि कलाई में दर्द या फिर कमजोर हो रही है यानी उतनी मजबूत नहीं है जितनी होनी चाहिए। तो आप जिम में ही कलाई की एक्सरसाइज कर सकते हैं।

जिम में करें कलाई की एक्सरसाइज

यह एक्सरसाइज खासतौर पर कलाइयों को मजबूत बनाती है। इसे करने के लिए पहले बैठ जाएं और अपने हाथ को जांघ पर रखते हुए हथेलियों को नीचे की तरफ रखें। अब 8-10 किलो वजन वाले डम्बल को हाथ से पकड़े और कलाइयों पर जोर डालते हुए उसे थोड़ा सा उठाने की कोशिश करें। इसे करते समय अपनी कोहनी को न उठाएं सिर्फ कलाइयों और हथेली का प्रयोग करें। इसे कम से कम 20 बार दोहराएं।

डम्बल के साथ करें एक्सरसाइज

कलाइयों को मजबूत करने के लिए आप 4-5 किलो के डंबल को हथेली पर रखें और फिर उंगलियों को अंदर की तरफ मोड़कर उसे पकड़कर हथेली से कलाई तक रोल कराएं। फिर उंगलियों को वापस शुरुआती पोजीशन में ले जाएं। इसे कम से कम 10-15 बार करें। यह आपकी कलाई को और मजबूत करने में मदद करेगी।

क्या जीवन बीमा बीच जिंदगी के संकट दूर करने में सहायक हो सकता है?

जीवन काल के मध्य में हर व्यक्ति संकट की स्थिति से गुजरता है, जब उम्मीदों का वास्तविकता से सामना होता है। सामान्य तौर पर, युवावस्था में भावनात्मक एवं वित्तीय दृष्टि से व्यक्ति काफी संतुष्ट रहता है लेकिन 30 की उम्र शुरू होने के बाद से 45 और 55 की उम्र के बीच संतुष्टि का स्तर लगातार घटता जाता है। यही वो समय होता है, जब व्यक्ति भावनात्मक, सामाजिक और वित्तीय दृष्टि से अपने जीवन सफर के हासिल को लेकर मजबूती से सवाल करता है। और यदि इस तरह के विश्लेषण के बाद, उसके जीवन का हासिल उसकी अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं होने पर, उसे मानसिक तनाव हो सकता है।जानिए कैसे एक उपयुक्त जीवन बीमा समाधान उन्हें बेहतर प्रबंधन करने में मदद कर सकता है।

चिंता 1: क्या मैं अपने बच्चे केभविष्य की आर्थिक रूप से रक्षा कर सकूंगा?

हम जानते है कि एक कुलीन संस्थान में 2 साल का एमबीए कोर्स, जिसकी कीमत आज लगभग 6 लाख रुपए है, 20 साल बाद लगभग 40 लाख रुपए हो जाएगी। लेकिन अच्छी खबर यह है कि कई बीमा योजनाएं हैं जो आपके बच्चे की भविष्य की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए हैं। यह एक बच्चे की योजना, एक यूलिप या एक पारंपरिक मनी-बैक योजना हो, आप अपनी आवश्यकता के अनुकूल एक का चयन कर सकते हैं। यहां अनुशासित आवधिक भुगतानों के साथ आप बच्चे के भविष्य के लिए एक कोष जमा कर सकते हैं। यदि पॉलिसी की परिपक्वता से पहले आपके साथ कुछ होता है, तो लंबित प्रीमियम यह सुनिश्चित करने से छूट जाते हैं कि पॉलिसी जारी है, और आपके बच्चे के सपने सुरक्षित हैं।

चिंता 2: बहुत अधिक और सेवानिवृत्ति केबारे में नहीं सोचना?

आपको सेवानिवृत्ति के बाद कितने पैसे की आवश्यकता होगी? यह निश्चित रूप से चिंता का कारण बन सकता है। जीवन बीमा का उपयोग सेवानिवृत्ति की योजना के लिए कई तरीकों से किया जा सकता है। आप ऐसे उत्पादों का चयन कर सकते हैं जो जीवन रक्षा की पेशकश करते हुए, सेवानिवृत्ति के बाद की जरूरतों को पूरा करने के लिए नियमित आय पैदा करने में मदद करेंगे। एक संपूर्ण जीवन बीमा बचत योजना या एक गारंटीकृत रिटर्न योजना, ऐसी नीतियां हैं जो न केवल असामयिक मृत्यु के मामले में सुरक्षा प्रदान करती हैं, बल्कि नियमित आय की पेशकश भी करेंगी या आय पोस्ट रिटायरमेंट में मदद करने के लिए एकमुश्त कॉर्पस बनाएंगी।

चिंता 3: चिकित्सा आपात स्थिति के लिए वित्त?

आप गंभीर बीमारी नीतियों या सवारों के लिए चुन सकते हैं जो कैंसर, दिल के दौरे या कई अंग विफलता जैसी बीमारियों के निदान पर पॉलिसीधारकों को नकद भुगतान की पेशकश करते हैं। ये योजनाएं आपको एकमुश्त भुगतान के साथ कम प्रीमियम पर उच्च कवर प्रदान करती हैं। वे न केवल आपके आय प्रतिस्थापन के रूप में कार्य करते हैं, बल्कि व्यय प्रबंधन करने में सहायता भी प्रदान करते हैं जैसे कि अस्पताल के दौरे, डॉक्टर के शुल्क, घर के किराए आदि पर खर्च किए गए पैसे।

चिंता 4: क्या होगा अगर मैं 40 के दशक में अपनी नौकरी खो दूं?

जीवन में कई घटनाएं हो सकती हैं, जिससे आय में कमी हो सकती है जैसे कि आर्थिक मंदी, स्वास्थ्य की समस्या, दुर्घटना के कारण आ शिक या स्थायी विकलांगता आदि के कारण जीवन बीमा पॉलिसियां हैं, जो आपकी आय को सुरक्षित करती हैं और मासिक भुगतान की गारंटी देती हैं। नौकरी छूटने के दौरान निर्दिष्ट अवधि। इसके अलावा, जीवन बीमा कवर के लिए गारंटीकृत बचत योजनाओं या व्यक्तिगत दुर्घटना और प्रीमियम की छूट जैसी सवारियां वित्तीय रूप से सहायता करने के लिए सुसज्जित होती हैं, जब कोई नौकरी छूट जाती है। देखें कि क्या आप इसे से निपटने के लिए पर्याप्त रूप से तैयार हैं, और अपने मध्य जीवन की चिंता से मुक्त जश्न मनाने के लिए एक उपयुक्त जीवन बीमा समाधान के साथ अंतर के भरें।

पराग राजा, चीफ डिस्ट्रिब्यूशन ऑफिसर, आदित्य बिड़ला सन लाइफ इंश्योरेंस

काबुली चने की चाट

सामग्री

- 200 ग्राम काबुली चने या छोले
- 50 ग्राम मटर के दाने
- 1 मध्यम आकार का प्याज
- 2 हरी मिर्च
- 2 चम्मच तेल
- 1 चुटकी सरसों
- 1 चुटकी उड़द की दाल
- मीठा नीम
- 1 चम्मच नींबू का रस
- स्वाद अनुसार नमक।

विधि

शाम की चाय के साथ चटपटी काबुली चना चाट बनाने के लिए सबसे पहले छोलों को 5 से 6 घंटे के लिए भिगोकर रख दें। इसके बाद अब छोलों में थोड़ा सा नमक और चुटकी भर सोड़ा डालकर उन्हें उबाल लें। अब मटर के दाने को गरम पानी में एक-दो बार उबालकर उसका पानी निथार लें। अब प्याज और हरी मिर्च बारीक काटकर एक कढ़ाई में तेल गरम करके उसमें उड़द की दाल, राई या सरसों में से एक चीज डालकर भून लें। अब इसमें मिर्च, मीठा नीम डालकर फ्राई करे लें। इसके बाद इसमें प्याज डालकर उसे नरम होने तक भूनने के बाद उसमें चने मिला दें। इस से थोड़ा नमक डालकर चनों को अच्छे से मिला लें। अब ऊपर से नींबू का रस धनिया काटकर बुरक दें। आपकी स्पाइसी काबुली चना चाट बनकर तैयार है। इसे शाम की चाय के सर्व करें।

सेब की चटनी

सामग्री

- हरे सेब- चार
- गुड़- एक बड़ा चम्मच (कतरा हुआ)
- जीरा- एक छोटा चम्मच
- सरसों- एक छोटा चम्मच
- मिर्च पाउडर- एक छोटा चम्मच
- गरम मसाला पाउडर- एक छोटा चम्मच
- आलिव/रिफाइंड ऑयल- एक बड़ा चम्मच
- काली मिर्च पाउडर- आधा छोटा चम्मच

विधि

सबसे पहले सेब का छिलका उतारकर उसे कद्दूकस कर लें। फिर एक पैन में ऑलिव ऑयल डालकर उसे गर्म करें। तेल गर्म होने पर उसमें सरसों डालकर भूनें। इसके बाद मिर्च, जीरा, गरम मसाला, काली मिर्च पाउडर डालें और उसे हल्का सा भूनें। मसाले भुनने के बाद सेब, नमक और गुड़ पैन में डालें और मध्यम आंच पर लगभग पन्द्रह मिनट तक पकाएं। जब चटनी थोड़ी गाढ़ी हो जाए, तो समझ जाएं कि यह तैयार हो गयी है। अब गैस को बंद कर दें। लीजिए, सेब की चटनी तैयार हुई। ठंडा होने पर इसे स्नैक्स अथवा भोजन के साथ परोसें। चाहें तो सेब की चटनी फ्रिज में रख कर 7-8 दिनों तक इस्तेमाल कर सकते हैं। बच्चों को यह चटनी बेहद पसंद आएगी।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-7-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-2-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)

कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। शुभांक-3-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। सिर्फ आश्वासनों से संतोष करना पड़ेगा। शुभांक-3-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-5-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। शुभांक-2-7-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)

आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-3-6-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)

'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। मीठे बोलने वालों से संभल कर रहें। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभ कार्यों में व्यय होगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिलेगा। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-1-3-7

मीन (दी दू थ झ ञ द दो चा ची)

व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम होगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-5-9

काकुरो पहेली - 3374

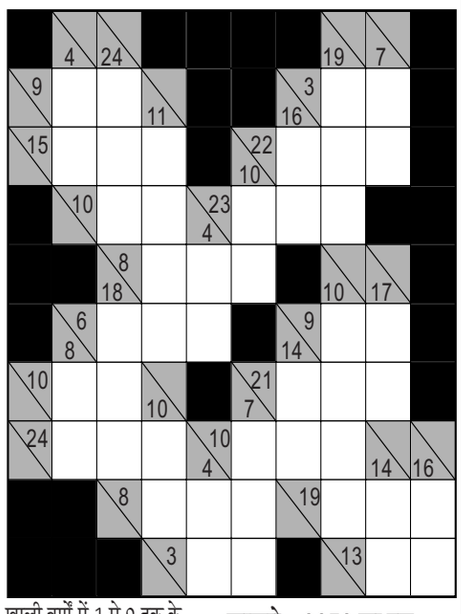

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

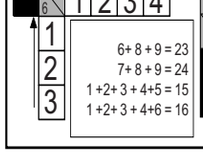

6+8+9 = 23
7+8+9 = 24
1+2+3+4+5 = 15
1+2+3+4+6 = 16

काकुरो - 3373 का हल

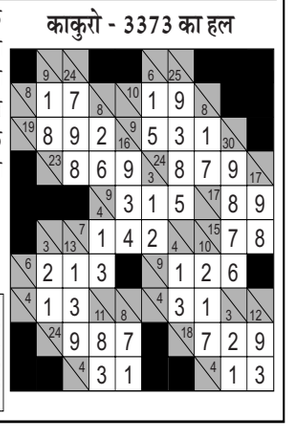

हंसी के फव्वारें

एक अभिनेत्री ने ब्यूटी-क्लीनिक की मालकिन से अपने चेहरे के दाग को मिटाने का रेट पूछा.

'पांच सौ रुपये लगेंगे !'

'पांच सौ तो ज्यादा हैं !'

'फिर ?'

'कोई सस्ता तरीका बताइए !'

'सस्ता नहीं मुफ्त का तरीका है.'

'कृपया जल्दी बताइये !'

' घूंघट निकालना शुरू कर दीजिए! आपका काम मुफ्त में बन जायेगा.'

□ □ □

एक आंखों के डाक्टर ने अपने एक सर्जन मित्र को नजर का चश्मा बनाकर दिया. संयोग से उसी दिन आंखों के डाक्टर को उसी सर्जन से अपना ऑपरेशन करवाना पड़ा.

फिर जब वह ऑपरेशन टेबल पर लेट गया तो सर्जन चश्मा लगाकर बोला- 'रेडी ! मैं तैयार हो गया हूँ ! अब तुम बताओ कि तुम कहां हो?'

आंखों का डाक्टर तुरन्त मेज से कूद पड़ा.

□ □ □

प्रशंसिका: ''आपके उपन्यास का अंतिम सीन बहुत अच्छा है.''

उपन्यासकार: ''उपन्यास के आरंभ के विषय में आपका क्या विचार है?''

प्रशंसिका: ''मैं उसे अभी पढ़ना शुरू करने वाली हूँ.''

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3374

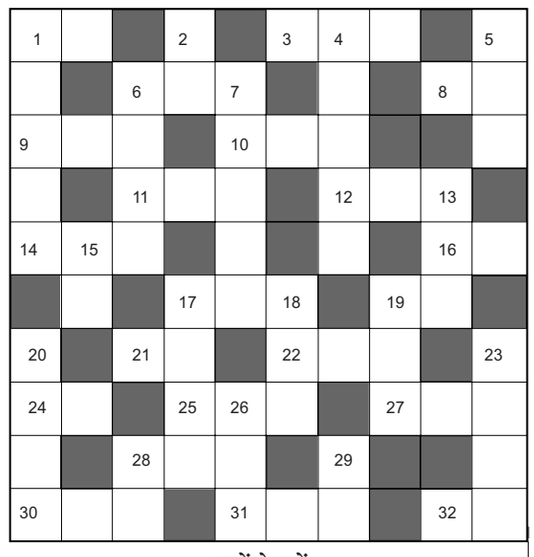

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, श्रीदेवी की 'मैं तुझे कबूल' गीत वाली फिल्म-२,३
२. 'जीवन चलने का नाम' गीत वाली मनोज, जया की फिल्म-२
४. फिल्म 'आनंद' में आनंद की शीर्षक भूमिका किसने की थी ?-३.२
५. शशिकपूर, शबाना की 'दिल में तुझे बिठाके' गीत वाली फिल्म-३
६. अमरीशपुरी पर फिल्माये 'ये दुनिया एक दुल्हन' गीत वाली फिल्म-४
७. 'मंदिर में ना मस्जिद' गीत वाली फिल्म-५
१३. धर्मेन्द्र, वहीदा, जया की 'कब माने हो दिल के दीवाने' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'हम जब सिमट' गीत वाली शशि, साधना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२
१७. देवानंद, गीत बाली की 'ठंडी हवाएं लहरा के आएं' गीत वाली फिल्म-४
१८. नायक के रूप में अनिल कपूर की पहली फिल्म-३
१९. 'नींद कभी रहती थी' गीत वाली विश्वजीत, माला सिन्हा की फिल्म-३
२०. मनोजकुमार, नंदा की 'काले हैं तो क्या हुआ' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'किताबें बहुत सी' गीत वाली फिल्म-४
२६. सर्वश्रेष्ठ फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त एक हिंदी फिल्म-३
२८. सनी, तब्बू, रीमा सेन की 'जो प्यार तुमने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'खोया है तूने' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फरदीन, करीना की फिल्म-२
३. 'ये प्यार यार क्या है' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ओ सजना बरखा बहार आई' गीत किस फिल्म का है?-३
८. अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
९. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी, अमीषा की फिल्म-३
१०. अक्षय, करीना की 'तुने कहा जबसे हाँ' गीत वाली फिल्म-३
११. 'रूठे सैंया हमारे सैंया' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला की फिल्म-३
१२. रणधीर कपूर, रेखा की फिल्म-३
१४. 'तेरी गलियों में ना रखेंगे कदम' गीत किस फिल्म का है?-३
१६. बॉबी, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
१७. 'पल्लो लटके' गीत वाली फिल्म-३
१९. दिलीपकुमार, निम्मी की 'दिल में छुपाके' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'जो भी कसमें' गीत वाली डीनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-२
२२. धर्मेन्द्र, हेमा की 'राजा ना जा' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'रूकी रूकी सी जिंदगी' गीत वाली फिल्म-२
२५. राजकुमार, प्रिया राजवंश की फिल्म-३
२७. 'संडे की रात थी' गीत वाली गोविंदा, रवीना की फिल्म-३
२८. राहुल, दीपक, पूजा भट्ट की 'मेरे दिल का पता' गीत वाली फिल्म-३
३०. 'जिंदगी आ रहा' गीत वाली की फिल्म-३
३१. विनोद, डैनी, मौसमी की 'संसार है एक नदिया' गीत वाली फिल्म-३
३२. 'तू मेरे सामने' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3373

रे	ड		बॉ	बी		श	श	र	त
टी		अ	क्स		फ	र	ज		ला
	कु	द	र	त		बी		जो	श
आ		ना		म	र्द		जं	ग	
द	म	न		त्रा			जी	न	त
मी		सा	थी		म	द	र		ह
	वि	मी		अ	वा	म		शू	ल
ही	र		रू	दा	ली		जै		का
	स	नी		ल		फ	की	र	
जी	त		सौ	त	न			जा	ल

सूडोकु -3374

			1					6
7		2		5				9
		4			2	7	5	
5	7				9		1	8
				6				
6	1		3				2	4
	5	1	9			8		
2				8		9		1
9					3			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3373 का हल

1	9	3	2	4	6	5	8	7
4	7	2	5	1	8	3	6	9
6	5	8	7	3	9	1	2	4
3	8	9	4	5	1	2	7	6
2	4	7	6	9	3	8	1	5
5	1	6	8	7	2	4	9	3
8	2	4	9	6	5	7	3	1
7	6	1	3	2	4	9	5	8
9	3	5	1	8	7	6	4	2

शब्द पहेली - 3374

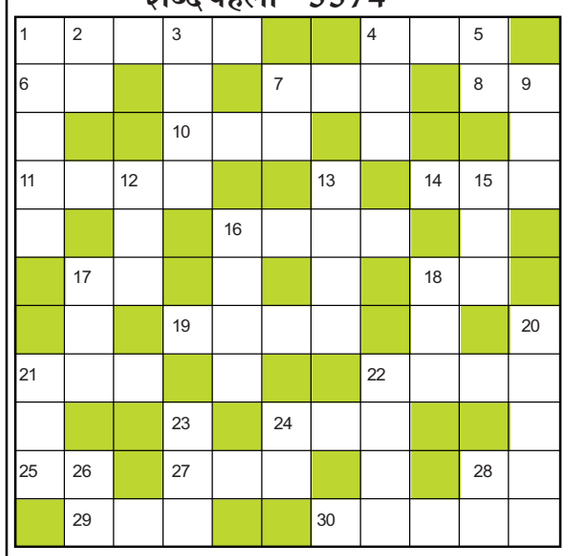

बाएँ से दाएँ

1.शरीफ,नेकनीयत-5
4.जिसे सुनाई न दे-3
6.मां का भाई-2
7.एकमात्र,सिर्फ एक-3
8.अधिकार-2
10.सिर झुकाना-3
11.दुर्घटना-4
14.दूध फाड़कर बनाया जानेवाला पदार्थ-3
16.राजदार-4
17.राजा की पत्नी-2
18.वीज, वीर्य-2
19.मीठा पेय पदार्थ-4
21.पानी की बूंद-3
22.अवरोध,बाधा-4
24.मैला,अस्वच्छ-3
25.पानी,जल-2
27.पुत्र,लड़का-3
28.लाश,पार्थिव देह-2
29.थकावट-3
30.मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.समाजवाद को माननेवाला अनुयायी-5
2.अस्थमा-2
3.राज्य,सल्तनत-4
4.तन,काया,देह-3
5.रास्ता,मार्ग-2
7.नखरा,भुगतान-2
9.डोली उठाने वाले-3
12.बिजली,विद्युत रश्मि-3
13.भद्रता,नेकनियत -4
15.कमल,पंकज-3
16.बुखरा,ज्वर ताप-4
17.आराम,मदद-3
18.घना वन-3
20.मन को भाने वाला -2,3
21.कथा,गाथा-3
22.कहासुनी-4
23.मनन करना-3
24.शराब-2
26.घोड़ागाड़ी-2
28.बढ़ावा देना-2

शब्द पहेली -3373 का हल

	रा	ह	ज	नी		फि	स	ल	ना	
अ		क	हा	र		त	न	य		बु
ह	क		न	व		र	म		फ	न
म	म	ता		ता	क	त		वा	त	क
क	र	त	ब		म		त	ल	वा	र
			ल	ह	र	दा	र			
ला	व	ज	मा		बं		स	ह	ल	ज
ज	त	न		म	द	द		म	ग	न
वा	न		क	न		ह	म		न	म
ब		त	म	स		ली	ट	र		न
	मे	ह	रा	ब		ज	र	ब	फ्त	

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राजकुमार शर्मा ने वैकुंठ मीडिया प्राइवेट लिमिटेड सी -285, सेक्टर-11, विजय नगर, गाजियाबाद से छपवाकर कार्यालय 178 राहुल विहार विजय नगर,गाजियाबाद से प्रकाशित किया है। किसी खबर या लेख से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सभी विवादों का निस्तारण जिला न्यायालय गाजियाबाद में होगा। प्रबंध संपादक-महेश कुमार - 9911733939, कानूनी सलाह- नरेंद्र सिंह रणोत एडवोकेट, सलाहकार कुशल सिंह, RNI No-UPHIN/2013/50466, Editor R.K. Sharma : 09456278011